Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 192 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 03 मई 2024 | www.samaydarshan.in

सार समाचार

यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण के बदले बेटा भाजपा कैंडिडेट

गोंडा। महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह का टिकट भाजपा ने काट दिया है। हालांकि उनके छोटे बेटे करण भूषण को भाजपा ने उनकी सीट कैसरगंज से टिकट दिया है। भाजपा ने गुरुवार शाम इसकी घोषणा कर दी। करण भूषण यूपी कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। वह भारतीय कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष भी थे, लेकिन पिता के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद इन्होंने भी पद छोड़ दिया था।

कैसरगंज में 3 मई नामांकन की आखिरी तारीख है। शुक्रवार को करण नामांकन करेंगे। करण सिंह के प्रतिनिधि जगन्नाथ तिवारी ने गुरुवार को कैसरगंज से नामांकन के 4 सेट खरीदे।

बृजभूषण के बड़े बेटे प्रतीक ने गुरुवार सुबह ही भाई करण को टिकट मिलने के संकेत दे दिए थे। उन्होंने वॉट्सऐप पर लिखा था- करण भूषण सिंह। आपके आशीर्वाद का आकांक्षी- कैसरगंज। करण भूषण का गुरुवार को एक वीडियो सामने आया। इसमें वह पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं।

टिकट कटने के सवाल पर बृजभूषण ने कहा- होइहि सोइ जो राम रचि राखा। सूत्रों की माने तो गुरुवार सुबह बृजभूषण शरण सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से बात की थी। शाह ने करण भूषण सिंह के नामांकन की तैयारी करने को कहा था।

प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट के लिए वोट मांग रहे,ये है मोदी की गारंटी-राहुल

मोदी ने 18 दिन पहले रेवन्ना के लिए वोट मांगा था

बेंगलुरु (एजेंसी)। राहुल गुरुवार, 2 मई को कर्नाटक के शिवमोगा में चुनाव प्रचार कर रहे थे। मामला जेडीएस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़ा है। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ चुनाव लड़ रही हैं।

प्रज्वल पर कई महिलाओं ने रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में केस दर्ज हो चुका है और प्रज्वल विदेश जा चुके हैं।

मोदी ने 4 लोकसभा प्रत्याशियों के समर्थन में 14 अप्रैल को मैसूर में रैली की थी। मोदी महज 18 दिन पहले 14 अप्रैल को इसी प्रज्वल के समर्थन में मैसूर में रैली कर रहे थे। तब मोदी ने कहा था, 'आज भारतीय राजनीति में देवगौड़ा सीनियर मोस्ट नेता हैं। उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मैसुरु से यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, चामराजनगर से एस बालाराज, हासन से प्रज्वल रेवन्ना और मांड्या से मेरे मित्र एचडी कुमारस्वामी, आने वाली 26 अप्रैल को इनके लिए आपका हर वोट मोदी को मजबूती देगा। देश का भविष्य तय करेगा।'

इसी का हवाला देते हुए राहुल ने कहा, 'कर्नाटक में सबसे बड़ा इश्यू प्रज्वल रेवन्ना का है। पीएम मोदी ने उसके समर्थन में प्रचार किया है। उसने (प्रज्वल ने) 400 महिलाओं का मास रेप किया है। पीएम मोदी को इसका जवाब और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।'

राहुल के पीएम पर 4 आरोप, बोले- वे सत्ता के लिए कुछ भी करने को तैयार

राहुल ने कहा, 'प्रज्वल रेवन्ना 400 महिलाओं का रेप करता है, वीडियो बनाता है। इसे मास रेप (कइयों के साथ दुष्कर्म) कहा जाता है। कर्नाटक में मंच पर प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट का समर्थन कर रहे हैं।जब प्रधानमंत्री आपसे वोट मांग रहे थे तो उन्हें पता था कि प्रज्वल रेवन्ना ने क्या किया था।'

'प्रधानमंत्री को हिंदुस्तान की हर महिला से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने एक मास रेपिस्ट को मंच पर लाकर उसे समर्थन देने की बात की। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री ने देश की हर महिला का अपमान किया है।'

'उनके (मोदी) पास सारी मशीनरी है, इंटेलिजेंस है, कस्टम्स है, तब भी प्रधानमंत्री ने इस मास रेपिस्ट को जर्मनी जाने दिया। ये उनकी गारंटी है।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने गुरुवार को कहा, 'सांसद (प्रज्वल रेवन्ना) की जर्मनी यात्रा के संबंध में विदेश मंत्रालय से न तो कोई राजनीतिक मंजूरी मांगी गई थी और न ही जारी की गई थी।'

उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने सांसद (प्रज्वल) के लिए किसी अन्य देश के लिए कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया है। उन्होंने राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा की।

रेवन्ना हासन सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वह यहीं से मौजूदा सांसद हैं। हासन में 26 अप्रैल को दूसरे फेज में वोटिंग हो चुकी है। इससे पहले भी रेवन्ना मोदी की रैलियों में साथ दिख चुके हैं। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस के बीच गठबंधन है। रेवन्ना पर रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप है।

26 अप्रैल को कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट पर वोट डाले गए। वोटिंग से पहले सोशल मीडिया पर 200 से ज्यादा अश्लील वीडियो वायरल हुए।

27 अप्रैल को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वायरल वीडियो में दिख रहीं महिलाएं खुद को छोड़ने की गुहार लगाती हुई रो रही हैं और प्रज्वल वीडियो शूट कर रहे हैं। इस दौरान बीजेपी नेता देवराज ने दावा किया कि प्रज्वल के पेन ड्राइव में 2900 से ज्यादा अश्लील वीडियो हैं। वोटिंग के बाद वे जर्मनी रवाना हो गए। 28 अप्रैल को वायरल वीडियो को लेकर रेवन्ना के घर काम करने वाली मेड ने प्रज्वल और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

30 अप्रैल को प्रज्वल के पूर्व ड्राइवर कार्तिक ने किसी अज्ञात जगह से वीडियो जारी किया। इसमें कहा कि मैंने प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो और फोटो भाजपा नेता देवराज गौड़ा के अलावा किसी को नहीं दिए थे।

कर्नाटक के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह नोटिस प्रज्वल की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने स्ढ्ढञ्ज के सामने हाजिर होने के लिए समय मांगा था। गुरुवार (2 मई) को कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि 7 दिन का समय देने का प्रावधान ही नहीं है, यदि वे 24 घंटे में पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी गिरफ्तारी भी संभव है।

पादरी की मौत मामले में हाईकोर्ट ने कहा- 'जाओ फांसी लगा लो', ऐसा कहना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं

उडुपी (कर्नाटक)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने चर्च के पादरी की मौत के मामले में अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि केवल ऐसा कहना कि 'जाओ फांसी लगा लो', आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रयास नहीं माना जा सकता। अदालत में जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने विवादास्पद बयानों से जुड़े मामलों में आत्महत्या के लिए उकसाने की मंशा से जुड़े जटिल सवाल पर स्पष्ट किया कि जाओ फांसी लगा लो जैसा बयान फांसी के लिए उकसाने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। तटीय कर्नाटक के इस मामले में याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने उसकी पत्नी के साथ कथित संबंधों को लेकर पादरी से आक्रामक बहस की। खबर के मुताबिक पादरी के साथ आक्रामक बहस के दौरान उसने आवेश में पादरी से पीछा छुड़ाने के लिए 'जाओ फांसी लगा लो' जैसे कथन का इस्तेमाल कर डाला। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि पादरी ने केवल उनके मुवक्किल के कहने पर ही आत्महत्या जैसा कदम उठाया। ऐसा नहीं माना जा सकता। वकील ने अदालत से कहा कि 'जाओ फांसी लगा लो' जैसे कथन का इस्तेमाल बीवी के अफेयर की जानकारी मिलने पर गुस्से और हताशा के कारण हुआ।

सपा-कांग्रेस परिवारवादी, ये जनता का भला नहीं कर सकते-शाह

बरेली में विपक्ष पर बरसे अमित शाह

बरेली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को बरेली में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। हार्टमैन रामलीला मैदान में दोपहर करीब दो बजे उन्होंने भारत माता की जय से अपने भाषण की शुरुआत की। शाह के निशान पर सपा और कांग्रेस रही। अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर जमकर तंज कसे।

अमित शाह ने कहा कि हमारे सामने इंडी गठबंधन चुनाव लड़ रहा है। इनके शहजादे राहुल गांधी ने चुनाव की शुरुआत भारत जोड़ो यात्रा से की थी। मगर चार जून के बाद कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा से इसका समापन होने वाला है। दो चरण के चुनाव में दूरबीन से भी कांग्रेस नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश के अर्थतंत्र को दुनिया के तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का चुनाव है। तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त करने का चुनाव है।

अमित शाह ने लोगों से पूछा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए था या नहीं। कहा कि कांग्रेस पार्टी 70 साल से राम मंदिर के मसले को अटका रही थी। नरेंद्र मोदी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पांचवीं साल में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर जय श्रीराम किया। शाह ने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव, डिंपल और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निमंत्रण गया, लेकिन इनमें से कोई नहीं गया। क्योंकि इनका डर था तो वहां जाएंगे तो वोटबैंक खिसक जाएगा। ये लोग हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस वाले धारा 370 को 70 साल से संभालकर रखे थे। नरेंद्र मोदी ने पांच अगस्त को धारा 370 को समाप्त किया। मोदी ने इस देश को आतंकवाद से मुक्त करने का काम किया है। कांग्रेस की सरकार थी। सपा, बसपा के समर्थन से चलती थी। 10 साल तक सोनिया मनमोहन की सरकार में आए दिन आलिया, मालिया जमालिया देश में घुस जाते थे और बम धमाके करते थे। कोई बोलने वाला नहीं था। 2014 के बाद पाकिस्तान ने फिर गलती कर दी। उरी और पुलवामा में घुस गए मगर वो भूल गए। इस बार प्रधानमंत्री मोदी हैं, मनमोहन सिंह नहीं। 10 ही दिन में सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के सफाया करने का काम किया। शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने 130 करोड़ लोगों को कोरोना के दोनों टीके लगाकर देश को सुरक्षित करने का काम किया है। कहा कि संतोष गंगवार के लिए पार्टी ने कुछ अलग भूमिका सोची है, इसलिए छत्रपाल सिंह गंगवार को प्रत्याशी बनाया गया। गृहमंत्री ने कहा कि सपा की सरकार में पूरी यूपी दंगों की आग में झोंका हुआ था। 2010 और 2012 में बरेली में भीषण दंगे हुए।

2जी स्पेक्ट्रम मामले में केंद्र की याचिका स्वीकार करने से इनकार, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री का फैसला

रजिस्ट्रार के फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन की केंद्र सरकार की मांग को झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को गलत धारणा पर आधारित और स्पष्टीकरण की आड़ में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कराने की कोशिश करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में दिए अपने एक आदेश में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधन नीलामी के जरिए ही आवंटित किए जा सकते हैं। इसी फैसले में केंद्र ने संशोधन की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट के नियम ङ्कढ्ढ के नियम पांच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का रजिस्ट्री विभाग याचिका लेने से इनकार कर सकता है। इस नियम के मुताबिक रजिस्ट्रार कोई उचित कारण न होने, या निंदनीय मामला होने के आधार पर याचिका लेने से इनकार कर सकता है। हालांकि याचिकाकर्ता इस तरह के आदेश के खिलाफ15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है।

क्या है पूरा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए अपने एक आदेश में 2जी स्पेक्ट्रम के विभिन्न कंपनियों को दिए लाइसेंस निरस्त कर दिए थे, जो ए राजा के बतौर टेलीकॉम मंत्री रहते दिए गए थे। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन नीलामी के जरिए हो सकता है। अब बीती 22 अप्रैल को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ के समक्ष एक अपील की। जिसमें 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई। अटॉर्नी जनरल ने मामले को जल्द सूचीबद्ध करने की भी मांग की। केंद्र सरकार ने गैर व्यवसायिक उद्देश्यों के लिए 2जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में छूट देने की मांग की। एनजीओ पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने केंद्र की याचिका का विरोध किया। इसी एनजीओ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 2012 का फैसला दिया था।

अब सीरम इंस्टीट्यूट पर मुकदमे तैयारी, परिजनों का दावा- टीका लेने के बाद बेटी की हो गई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की अदालत में वैक्सीन निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेका ने हाल ही में स्वीकार किया है कि उसकी वैक्सीन दुर्लभ स्थितियों में थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) नामक समस्या का कारण बन सकती है। टीटीएस रक्त का थक्का बनाने वाली समस्या है जिसके कारण हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक होने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन के कारण होने वाले इस तरह के दुष्प्रभाव काफी दुर्लभ हैं, 10 लाख में से एक-दो व्यक्तियों में इसका खतरा हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी द्वारा वैक्सीन के कारण होने वाले दुष्प्रभावों को स्वीकार करने के कुछ ही दिनों बाद भारत में भी एक परिवार सीरम इंस्टीट्यूट के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है। कथित तौर पर जुलाई 2021 में वैक्सीन लेने के बाद करुण्या नाम की एक महिला की मौत हो गई थी। परिजनों का कहना है कि मौत वैक्सीन लेने के कारण हुई है, जिसको लेकर उन्होंने सीरम इंस्टीट्यूट के खिलाफ अदालत जाने का फैसला किया है।

कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभावों की सामने आई रिपोर्ट

गौरतलब है कि सीरम इंस्टीट्यूट देश में कोविशील्ड वैक्सीन की निर्माता है। पीड़िता के पिता वेणुगोपालन गोविंदन अब मुआवजे और अपनी बेटी की मौत की जांच के लिए एक स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड की नियुक्ति की मांग करते हुए कोर्ट जा रहे हैं। गोविंदन ने कहा, ब्रिटिश-स्वीडिश फर्म एस्ट्राजेनेका की स्वीकारोक्ति बहुत देर से और तब आई है जब इतने सारे लोगों की जान चली गई। मेरी बेटी की मौत के लिए भी वैक्सीन ही जिम्मेदार है। एस्ट्राजेनेका द्वारा दुष्प्रभावों की बात स्वीकार करने के बाद से लोगों में वैक्सीन को लेकर डर देखा जा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन के साइड-इफेक्ट्स काफी दुर्लभ हैं। टीके के दुष्प्रभाव इसे प्राप्त करने के कुछ ही दिनों में देखे जाते हैं। देश के अधिकतर लोगों को वैक्सीन ले चुके दो साल से अधिक का समय बीत चुका है, दवाओं-टीकों के दुष्प्रभाव तुरंत ही होता है, इतना समय बीत जाने के बाद लोगों को डरने की जरूरत नहीं है।

पाकिस्तान चाहता है कांग्रेस का शहजादा प्रधानमंत्री बने-मोदी

गुजरात में कहा- यहां कांग्रेस मर रही तो वहां पाकिस्तान रो रहा

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। गुरुवार को क्करू ने आणंद की जनसभा में कहा, 'भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यहां कांग्रेस मर रही है तो वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए पाकिस्तान के आका दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पाकिस्तान और कांग्रेस की यह पार्टनरशिप पूरी तरह एक्सपोज हो गई है।'

३मेरा मुख्यमंत्रित्व काल क्षत्रिय समाज के आगे कुछ नहीं

वहीं, पीएम ने जामनगर की जनसभा में रूपाला के बयान के चलते बीजेपी से नाराज क्षत्रियों को साधने की कोशिश भी की। उन्होंने कहा, हमारे देश के राजा-महाराजाओं ने अखंड भारत के निर्माण के लिए अपनी

रियासतें दे दीं। देश उनके योगदान को कभी भूल नहीं सकता।

आगे कहा, आज जब मैं जामनगर आया तो कई पुरानी यादें ताजा हो गईं। एक बार बहुत महत्वपूर्ण घटना घटी थी भूचरमोरी के युद्ध को लेकर। मुझे हमारे क्षत्रिय समुदाय के नेताओं ने आमंत्रित किया था। तभी किसी ने मेरे कान में कहा, सर हम निमंत्रण देने आए हैं लेकिन आप मत आना। क्योंकि, ऐसी मान्यता है कि भूचरमोरी के यहां जो भी मुख्यमंत्री आता है, वह अपना पद खो देता है। इसलिए कोई भी मुख्यमंत्री वहां नहीं जाता। तब मैंने उससे कहा था कि मेरे क्षत्रिय समाज के इस बलिदान के सामने मेरे मुख्यमंत्री पद का कोई महत्व नहीं है। मैं आऊंगा और मैंने आकर बहुत खुशी से उस कार्यक्रम का स्वागत किया। आज फिर से मैं जामनगर की ढेर सारी यादें लेकर आ गया।

रॉन्ग डिलीवरी करने वाली पार्टी है कांग्रेस

मोदी ने सुरेंद्रनगर में अपनी दूसरी जनसभा में कहा- कांग्रेस हमेशा रॉन्ग डिलीवरी करने वाली पार्टी रही है। देश को आजादी दिलवाने की जगह उन्होंने देश को ही विभाजित कर दिया। देश का विकास करने के बजाय उन्होंने जो कुछ था, उसे ही लूट लिया। गरीबों का पैसा कांग्रेस के खजाने में पहुंच गया। आज ये पार्टी राम और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भगवान राम और भगवान शिव को लेकर एक खतरनाक बयान दिया था। ये हिंदू समाज को बांटने का खेल खेल रहे हैं। राम भक्तों और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहते हैं, लेकिन हमारी हजारों साल की महान परंपरा को कोई नहीं तोड़ सकता। मुगल नहीं तोड़ पाए तो अब कांग्रेस हमें तोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में आतंकवाद का टायर पंक्चर हो गया है। जो देश कभी आतंक एक्सपोर्ट करता था, आज वह आटे के इम्पोर्ट के लिए दर-दर भटक रहा है। कभी जिसके हाथ में बम-गोला होता था, उसके हाथ में आज भीख का कटोरा है। कांग्रेस की कमजोर सरकार आतंक के आकाओं को डोजियर देती थी, लेकिन मोदी की मजबूत सरकार देखिए, डोजियर देने में टाइम खराब नहीं करती, आतंकियों को घर में घुसकर मारती है।'

एक ही बाइक पर सवार था पूरा परिवार, सड़क हादसे में 4 की मौत, 5वें की हालत गंभीर

चतरा (एजेंसी)। झारखंड के चतरा जिले के पिपरवार में सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांचवां बुरी तरह जख्मी हो गया और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा बुधवार देर रात पिपरवार के बेलवाटांड़ चौक पर हुआ। बताया गया कि होमगार्ड का जवान पंकज कुमार बाइक पर पत्नी और तीन बच्चों के साथ जा रहा था। किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुए हादसे में पंकज कुमार, उसकी पत्नी गुड़िया देवी, दो बच्चों राजदीप और सलोनी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक अन्य बालक दीपराज बुरी तरह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए रांची रिम्स भेजा गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। खलारी के डीएसपी रामनारायण चौधरी ने बताया कि घायल बच्चे को पुलिस की सहायता से इलाज के लिए रांची ले जाया गया है। होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के लोग उसकी देखभाल में जुटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

देशी मदिरा का अवैध रूप से विक्रय करते आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। आबकारी आयुक्त श्रीमती आर शंगीता के निर्देश, कलेक्टर दुर्ग ऋचा प्रकाश चौधरी के दिशा-निर्देश व सहायक आयुक्त आबकारी राजेश जायसवाल के मार्गदर्शन में 2 मई को गश्त के दौरान आबकारी विभाग जिला दुर्ग के द्वारा श्याम पेट्रोल पम्प के सामने धमधा दुर्ग रोड, थाना-मोहन नगर में अवैध शराब के परिवहन, विक्रय एवं धारण की सूचना पर त्वरित एवं विधिवत कार्यवाही कर आरोपी दर्शन देवराज, आत्मज मेहताबू देवराज उम्र 48 वर्ष, जाति - देवार, निवासी - सिकोलाभाठा थाना मोहन नगर दुर्ग के कब्जे से एक सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी में 40 नग पाव देशी मदिरा मसाला 7.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला, जिसका बाजार मूल्य 4400 रूपये है, जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आबकारी उप निरीक्षक भुनेश्वर सिंह सेंगर द्वारा विवेचना में लिया गया। जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, धारण एवं परिवहन के नियंत्रण हेतु आम नागरिकों की सहभागिता के लिए टेलीफोन शिकायत नम्बर उपलब्ध करायी गई है, जिसके अन्तर्गत आबकारी विभाग दुर्ग के कार्यालयीन टेलीफोन नम्बर 0788-2325836 पर 24×7 घण्टे सम्पर्क किया जा सकता है तथा अपने आस-पास के क्षेत्रों में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं धारण करने वाले आरोपियों के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराया जा सकता है। उक्त कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक भुनेश्वर सेंगर, हरीश पटेल, आबकारी मुख्य आरक्षक दयालाल गोटे, प्रहलाद सिंह राजपूत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

क्षेत्रीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति में शिविर का आगाज आज

विशाल निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

बसना(समय दर्शन)। बसना शहर मे पहली बार चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित करने की सोच को चरितार्थ करते हुए अग्रवाल भवन समिति बसना द्वारा रेट्रो ह्यूमन केयर फाउण्डेशन हैदराबाद के सहयोग से 3 मई से 5 मई 2024 तक तीन दिवसीय विशाल आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन अग्रसेन भवन बसना मे होने जा रहा है। गौरतलब हो कि, अग्रवाल सभा बसना द्वारा समर समय पर मानव कल्याण निहितार्थ अनेक शिविर ,गौ सेवा,गरीबी सेवा,धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं । भारत की प्राचीन व अचूक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को आरोग्य प्रदान करने की ठानी है। शहर में पहली बार तीन चार एवं पांच मई को विशाल निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।आयोजक समिति ने अपील किया है कि, क्षेत्र के जरूरत मंद मरीज अधिक से अधिक संख्या पधारकर इस आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का लाभ लें।प्रथम सत्र में समय - प्रात: आठ बजे से बारह बजे तक।एवं दोपहर चार बजे से संध्या सात बजे तक आयुर्वेद के प्रख्यात डॉ.व अनुभवी टीम आपकी असाध्य व पुराने जटिल रोगों का सफल उपचार करेंगे।।इस शिविर की भव्य तैयारी अग्रसेन भवन मे की जा चुकी है । अग्रवाल सभा,अग्रवाल महिला मण्डल, मारवाड़ी युवा मंच एवं उन्नति शाखा बसना के तत्वावधान में यह शिविर संचालित किया जा रहा है।

बोंदा में श्री राम कथा में सम्मिलित हुए-प्रखर

सरायपाली (समय दर्शन)। ग्राम बोंदा में समस्त ग्रामवासीयो द्वारा पाँच दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है जो की 28 अप्रैल से प्रारंभ होकर 2 मई को पूर्णाआहुति के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम में क्रमवार श्री राम कथा,शिव अभिषेक,हनुमान कथा,हनुमान श्रृंगार किया जाएगा कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामों की कथा मंडलि अपना योगदान दे रहे है। ग्राम वासीयो के आमंत्रण पर संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल भी ग्राम बोंदा पहुँच कर श्री राम कथा का आनंद लिए एवं प्रभु श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किए ,अपने अभीवचन में अग्रवाल ने इस पुण्य आमंत्रण के लिए ग्राम वासीयो का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं ग्राम के युवा साथियों को इसी तरह राम काज में लगे रहने का आग्रह किया ,उक्त कार्यक्रम में संगम सेवा समिति के सदस्य आशीष सेन,अभिनय शाह,विजय नाग भी सम्मिलित हुए।

देशहित की भावना से मतदान करने दुर्ग की जनता में उत्साह है - गजेंद्र यादव

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल का दुर्ग शहर में जनसंपर्क

दुर्ग (समय दर्शन)। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क किया। शहर विधायक गजेंद्र यादव संग कातुलबोर्ड शिव मंदिर से जनसंपर्क यात्रा की शुरूआत हुई जो सिंधिया नगर, आदित्य नगर, जवाहर नगर, सिकोला फाटक, दीपक नगर, सिंधी कॉलोनी, पुलिस लाइन होते हुए आगे बढ़ी। देशहित की भावना से मतदान करने उत्साहित जनता ने सांसद प्रत्याशी विजय बघेल का चौक चौराहो पर आरती उतारी और फूल मालाओ से स्वागत कर कमल फूल छाप पर मुहर लगाने की गारंटी दिये। सांसद विजय बघेल ने कहा की निर्णायक, मजबूत और राष्ट्रहित को समर्पित फिर से मोदी सरकार बनाना है। जनसंपर्क के दौरान अपने घर के बाहर से ही अभिवादन कर रहे नागरिकों को पुन: सेवा का अवसर देने आशीर्वाद लिए। वधायक गजेंद्र यादव ने कहा की पूरे देश में भाजपा की लहर है। मोदी की गारंटी पर समाज के सभी वर्ग को भरोसा है। उन्होंने जनता से विजय बघेल को फिर से सांसद बनाकर देश के विकास में अपनी सहभागिता देने आव्हान किये। भोजन विराम पश्चात् यात्रा पुन: प्रारम्भ किये जो रायपुर नाका, जनता मार्केट, आदर्श नगर, विद्युत नगर, बोरसी, पोटिया, सुभाष नगर केलाबाड़ी, कन्हैयापूरी, महाराजा चौक पहुंची। जनसंपर्क में मंडल अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष विनायक नातू, पार्षद अरुण सिंह, नरेश तेजवानी, मीना सिंह, नरेश तेजवानी, श्याम शर्मा, शिवेंद्र परिहार, कांशीराम कोसरे, अनुप गटागट, जीतेन्द्र ठाकुर, महामंत्री मनमोहन शर्मा, देवनारायण चंद्राकर, किशोर अहिरवार, कृष्णा निर्मलकर, महेश सार्वा, अनिकेत यादव सहित समस्त कार्यकर्ता गण व वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

ओड़िशा में प्रचार अभियान में जुटे अब्दुल कलाम खान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। द्वितीय चरण के तहत राजनांदगांव लोकसभा में मतदान संपन्न होने के बाद नेशनल को-ऑडिनेटर ओड़िशा प्रभारी अब्दुल कलाम खान ओड़िशा में कांग्रेस के प्रचार अभियान में जुट गए हैं। 28 अप्रैल को सलेपुर में राहुल गांधी की सभा आयोजित हुई। ओड़िशा में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हो रहे हैं। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार बनते ही महिलाओं को एक लाख और ओड़िशा में कांग्रेस की सरकार बनने पर हर महिला को 24 हजार रुपये साल देने का वायदा किया है। इस तरह यहां कांग्रेस हर महिला को 1 लाख 24 हजार रुपए देगी। अब्दुल कलाम खान ने भी इस सभा में मंच साझा किया। अब्दुल कलाम खान ने कहा कि ओड़िशा प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति काफी मजबूत है। यहां कांग्रेस ने कई जनहितैषी योजनाओं को घोषणा पत्र में शामिल किया है। इसमें महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए, बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपए, 200 यूनिट फ्री बिजली, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और धान के लिए 3,000 रुपए क्विंटल का वायदा पार्टी ने किया है। उन्होंने कहा कि, नि:संदेह इस बार इंडिया गठबंधन बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश में अपना डंका बजाएगा। इसी तरह ओड़िशा में भी कांग्रेस की सरकार बनेगी।

रेत के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 16 वाहन जप्त

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर लगाकर कार्यवाही की जा रही है।इसी कड़ी में आज राजिम एसडीएम अर्पिता पाठक, तहसीलदार राजिम अजय चन्द्रवंशी,सहायक खनिज अधिकारी पन्नालाल नागेश,जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर,खनि निरीक्षक सुभाष चन्द्र साहू के संयुक्त टीम द्वारा राजिम एवं फिंगेश्वर क्षेत्र में रावड़,हथखोज, चौबेबांधा और सिंघौरी से रेत के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 14 वाहन राजिम थाना में एवं 2 हाईवा फिंगेश्वर थाना में जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।इसी कड़ी में वाहन क्रमांक सीजी 07 सीआर 9031 चालक हेमंत भारती,सीजी 07 सीएन 9029 चालक संजय साहू,वाहन क्रमांक सीजी 04 एनएक्स 4480 चालक राकेश कुमार उरांव,वाहन क्रमांक सीजी 04 एमए 0655 चालक गोवर्धन निषाद,वाहन क्र.सीजी 25 जे 7234 चालक रामसुरत,वाहन क्र.सीजी 04 एलयू 0307 चालक शैलेन्द्र धीवर,सीजी 04 एमएन 6415, सीजी 04 एमएन 4614, सीजी 04 एनवी 4986, सीजी 04 एमपी 4464, सीजी 04 एलपी 1410, सीजी 04 पीई 5105, सीजी 07 बीआर 7574, सीजी 07 सीएम 6356, सीजी 07 बीएफ1006 को जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।

नियम विरुद्ध रेत घाट का संचालन करने वाले रेत माफिया ने किया जनपद अध्यक्ष पर हमला

गेंददास मानिकपुरी

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला मे खनिज विभाग के नाक के नीचे सारे नियमों को ताक में रखकर रेत माफ्रिया धड़ल्ले से रेत की खुदाई और परिवहन कर रहे है।जिस पर लगाम लगाने में जिला प्रशासन पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है।वही रेत माफ्रिया की गुंडागर्दी दिनों दिन बढ़ती जा रही है।इन्हे किसी का खौफनहीं है चाहे प्रशासन हो या किसी भी पार्टी का नेता हो अपने जूते के नोक पर रखते है। इनका गुंडा गर्दी इस कदर बढ़ गया है की जिला महासमुंद के जिला खनिज अधिकारी भी रेड मरने को डरते है। बता बीते रात को रेट माफ्रिया का गुंडागर्दी देखने को मिला। महासमुंद मुख्यालय से 10किलोमीटर दूर ग्राम बिरकोनी मे बीते रात 7.30 बजे इतना बेखौफ जिला मुख्यालय के जनपत अध्यक्ष यतेन्द्र साहू को कल बीती रात ग्राम बिरकोनी के चौक पास उनके साथ मारपीट की वा उनकी कार के साथ तोड़ फोड़ भी किया गया। जनपद अध्यक्ष यतेन्द्र साहू के द्वारा रेत से भरा ट्रक को को देखा तो उनका पीट पास पूछा गया। उनको पूछना इतना महँगा पड़ा की रेत माफीया उनके ऊपर टूट पड़े की तुम कौन होते हो ये पूछने वाले।वही जनप्रतिनिधि को गाली गलौच और जान से मारने की धमकी भी दिया।जिसकी लिखित शिकायत जनपद अध्यक्ष द्वारा महासमुंद सिटी कोतवाली को दिए है।

महासमुंद जिले मे तेंदू पत्ता तोड़ने का कार्य प्रारंभ

शंकर लहरे

महासमुंद-(समय दर्शन)। महासमुंद वन मंडल के सभी वन परिक्षेत्र में आज से छत्तीसगढ़ का हरा सोना के नाम से जाने वाले तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य जिले के सभी 75 वनोपज समितियों के 785 संग्रहण केंद्रों(फड़ो)के अंतर्गत आने वाले कुल 1,07,885 संग्रहण परिवारों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य आज से शुरू हो गया है इस वर्ष महासमुंद जिला के 75 लघु वनोपज समितियों के माध्यम से 91300(लगभग) बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य माना गया है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार पूरे छत्तीसगढ़ में 5500 प्रति मानक बोरा की दर से संग्राहक परिवार को तेंदूपत्ता वनोपज संग्रहण का भुगतान किया जाएगा। वही महासमुंद जिला पूरे छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता उत्पादन होने में श्रेष्ठ स्थान है महासमुंद वन मंडल अंतर्गत वनोपज संग्रहण के समय मे अन्य सीमावर्ती जिला एवं जिले की सीमा से लगे हुए राज्य गैर क्षेत्रों से भी तेंदूपत्ता की तोड़ाई कर कोचियो वा दलालों द्वारा जिले के सीमावर्ती वनोपज समितियों में खपाने की संभावना बनी रहती हैं,इसलिए महासमुंद जिला पूरे छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्रहण में अनियमितता के नाम से भी सुर्खियों में रहता है,फ्लिहाल इस वर्ष खबर लिखे जाने तक किसी भी प्रकार की कोई तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में अनियमितता की खबर की जानकारी नही मिली है।

स्वच्छ भारत मिशन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली के घंटेश्वरी मंदीर के समीपस्थ बूढ़ादेव नगर में आज केन्द्र सरकार योजना के तहत स्वच्छ भारत मिशन को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया गया इस विषय को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक रखी गई, बैठक की प्रथम कड़ी में राष्ट्रगान कर भारत माता की जय,छत्तीसगढ़ महतारी की जयकारा के साथ शुरू की गई।

इस बैठक के मुख्य अतिथी आचार्य किशनलाल चौहान बरछा फोरम स्वयं सेवी संस्था रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश चौहान ने की,इस बैठक के दौरान आचार्य किशन लाल चौहान ने बताया की आज हमारी धरती रासायनिक केमिकल की वजह से भूमि बंजर होती जा रही है अत: पुन: गोबर खाद व आर्गेनिक खेती की ओर लौटना होगा और रासायनिक खाद से आज हमें अनेक गंभीर बिमारियां हो रही है उसे रोकना होगा,तब आने वाली पीढ़ी स्वस्थ होगी तभी स्वस्थ भारत का सपना पुरा होगा। इस विषय को लेकर बैठक की अध्यता कर रहे जगदीश चौहान ने बताया की हम स्वस्थ आहार से ठिक रहें। इस बैठक में ईश्वर चौहान ब्लाक प्रमोटर,नोहर निषाद,ब्लाक प्रमोटर दीपक जगत,जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ विजय नेताम,आशाकिरण वेंचर सरायपाली प्रमोटर,लुकेश निषाद,सुर्य कुमार बरिहा,वृन्दावन सिदार,साहनी यादव, प्रेमसिंह सिंह पोर्ते,निलेन्द्री बघेल, हेमलता सिदार,विजय संवरा समाज प्रमुख,विशाल ,किशोर सेठ आदि लोगों की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुआ।

मोदी की गारंटी में प्रदेश में धकाधक पैसा आवत है - अरुण साव

आम सभा में कई कांग्रेसी हुए भाजपा में शामिल

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)। सारँगढ़ में लोकसभा चुनावी सरगर्मी तेज हो गया है भाजपा के स्टार प्रचारक प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने आम सभा को सम्बोधित किया और राधेश्याम राठिया के पक्ष में मोर्चा सम्हला भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री ने सभा को सम्बोधित में कहा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा की सारँगढ़ वासी को कहा मेरा प्रणाम पहुँच देना जय जोहर कहते हुए कहा मोदी के 10 साल के भारत क्या था आज क्या है भारत की तस्वीर क्या थी 10 साल पहले आतंकवादी कई स्थानों पर बम धमाका कर जाते थे और सरकार देखती रहती थी लेकिन आज देश बदल गया है पुलवामा जैसे घटना घटी थी लेकिन उसका बदले लेने के लिये वही घुस के अतंकवादिया का मारने की हिम्मत रखता है आज देश मे हमारा 24 करोड़ लोग गरीबी रेखा के ऊपर हो गया लगातार विकास पथ पर है आज देश खुले में शौच मुक्त हुआ मोदी की एक और गरंटी 70 साल ऊपर लोगो को मुफ्त में इलाज करने की घोषणा करेंगे कि बात कहि आगे कहा कि सारँगढ़ वासी लगातार मोदी को वोट कर रहे है इस बार भी भाजपा प्रत्याशी राधेश्याम राठिया को जीताकर लोकसभा दिल्ली में भेजेंगे और सारँगढ़ वासियो के लिये नारा दिया कहा आपकी पर ढेड़ लाख पार ।

चुनाव के बाद प्रधानमंत्री आवास का राशि जारी होगा - **अरुण साव-** डिप्टी सीएम अरुण साव ने सभा को सम्बोधित किया कहा लोकसभा चुनाव कोई साधारण चुनाव नही ये विकसित भारत निर्माण करने के लिए चुनाव है आपके लोगो के आशीर्वाद से विष्णु देव सरकार बना है आवास चुनाव के बाद राशि आहरण किया जाएगा प्रधानमंत्री आवास को भूपेश सरकार ने 18 लाख हितग्राहियों को वंचित कर दिया था जब से हमारी सरकार आयी है मोदी के गरंटी अनुरूप शपथ ग्रहण के बाद 18

लाख आवास स्वीकृत कर दिया गया है चुनाव के पश्चात प्रधानमंत्री आवास का काम साय साय पूरा किया जाएगा लगातार घोषणा पत्र को पूरा किया जा रहा है मोदी की गरंटी पूरा हो रहा है महतारी वंदना योजना के तहत 1 हजार रुपये महिलाओं को कल तीसरा क़िस्त जारी हो गया है।

जिला पंचायत सदस्य विलासा सारथी हुई भाजपा में प्रवेश- एक और कांग्रेस जिला पंचायत सदस्य ने भाजपा का दामन थामा सारंगढ़ जिला में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वहीं कांग्रेस की जिला पंचायत सदस्य विलासा सारथी भी भाजपा में शामिल हुई हैं। इनके साथ ही सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा का दामन थामा है। इन सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को डिप्टी सीएम अरुण साव ,विनोद तावड़े की उपस्थिति में बीजेपी का गमछा पहना कर प्रवेश किया गया

मुद्रिका राय व वरिष्ठ कांग्रेसियो ने किया भाजपा प्रवेश- कांग्रेस में मची भगदड़ लगातार पदाधिकारी और कार्यकर्ता कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा का दामन थाम रहे है भाजपा के रीति नीति से प्रभावित होकर कई कांग्रेसी ने भाजपा का दामन थाम लिया है श्री ? होटल में रायगढ़ लोकसभा चुनाव सह संयोजक विजय अग्रवाल के समक्ष बिलाईगढ़ के पूर्व विधायक संसदीय सचिव चंद्रदेव राय के बड़े भाई मुद्रिका राय ने भाजपा का दामन थामा।

सार समाचार

रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़े

रायपुर(समय दर्शन)। दुर्गा आटा चक्की के पास लोधीपारा में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर मोवा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थी कल्प नारायण पांडे 40 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी रोशन सेन, गोलू ठाकुर व कोनाल सेन ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी रोशन सेन 42 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी कल्प नारायण पांडे ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

युवक से मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम बरौदा में शादी कार्यक्रम में नाचने के दौरान तीन युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी त्रिलोचन यादव 24 वर्ष ग्राम बरौदा का रहने वाला है। बताया जाता है कि पीड़ित अमन ध्रुव शादी कार्यक्रम में डीजे में डांस कर रहा था, तभी आरोपी शिव बघेल व अन्य दो ने अमन ध्रुव से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

मार्केट के पास से एक्टिवा पार

रायपुर(समय दर्शन)। सदरबाजार के नाहटा मार्केट के पास खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हरीहर उपाध्याय 35 वर्ष ने कोतवाली थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 09 जे 0585 को सदर बाजार स्थित नाहटा मार्केट के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जहा रही है।

एक सटोरिया चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायपुर(समय दर्शन)। सत्यम विहार कालोनी रायपुरा में सट्टा खिलाते पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 मोबाइल और नकदी 500 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार डीडीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सत्यम विहार कालोनी रायपुरा में एक युवक आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खिला रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी अभिनव जैन 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सराहना करते हुए शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की

निजी विद्यालयों के मतदान केंद्र को व्यवस्थित करने निजी विद्यालयों के प्रतिनिधि आये सामने

रायपुर(समय दर्शन)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने निजी विद्यालयों के प्रतिनिधियों साथ बैठक की। निजी विद्यालयों के मतदान केंद्र को व्यवस्थित करने एवं मूलभूत आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति पर हुई चर्चा। शहरी मतदान प्रतिशत को शत-प्रतिशत करना के । निजी विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों से कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बैठक में चर्चा किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि आप सब मिलकर यह प्रयास करें कि अधिक से अधिक मतदाता आपके विद्यालयों वाले मतदान बूथों पर उत्साह से आये और मतदान करें। इस बार लोकसभा चुनाव का थीम ''चुनाव का पर्व, देश का गर्व''। हमें इस चुनाव को एक पर्व के रूप में मनाते हुए शत-प्रतिशत मतदान करना है। उन्होंने कहा कि आपसे उम्मीद है आप और आपके विद्यालय परिवार का पूरा सदस्य भी मतदान तो करें ही, साथ में अपने विद्यालय परिवार के हर सदस्यों को भी मतदान करने की अपील करेंगे। आप में से हर व्यक्ति अपने-अपने विद्यालयों में मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में आए प्रतिनिधियों ने कहा कि वे अपने विद्यालयों में पानी, बिजली, कुर्सी टेंट जैसे आधारभूत सुविधाओं के अलावा मानव संशाधन का भी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। एवं लोगो को मतदान करने के लिए भी प्रेरित करेंगे और यह प्रयास करगें कि शत-प्रतिशत मतदान हो। इस अवसर पर रायपुर ज़िला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप , सहायक ज़िला निर्वाचन अधिकारी श्री उमशंकर बंदे सहित समस्त निजी विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोकतंत्र के पर्व में दिखा जज्बा, दिव्यांग शबनम ने की होम वोटिंग

अपने ही हाथों से हस्ताक्षर कर मतपेटी में मतपत्र डाल किया मतदान

रायपुर(समय दर्शन)। टवेल्थ फेल फिल्म में एक दृश्य इंटरव्यू का है। फिल्म के नायक यूपीएससी परीक्षा का इंटरव्यू दिलाने बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होते हैं। बोर्ड उनसे कहता है कि जब हमारे पास आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से पढ़े लोग हैं तो हम एक टवेल्थ फेल कैंडीडेट को क्यों चुने। फिल्म का नायक कहता है कि क्योंकि मैंने कठिन परिस्थितियों का सामना कर यह मुकाम हासिल किया है। आप एवरेस्ट में आक्सीजन सपोर्ट से चढ़ने वाले पर्वतारोही की प्रेरणा को बड़ा मानेंगे या उस पर्वतारोही को जो बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के चढ़ा। ऐसा ही जज़्बा लोकतंत्र के इस पर्व में देखा जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा 85 साल से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। हमारे दिव्यांगजन अपने हौसले के साथ मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण रायपुर ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कांदुल में रहने वाली दिव्यांग बिटिया सुश्री शबनम यादव का है। उसने आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। पहले की तरह इस बार भी मतदान के अधिकार का उपयोग करने से उनके चेहरे में खिलखिलाहट थी लेकिन एक अंतर था। इस बार मशक्कत काफी कम हो गई थी इसलिए उसकी खुशी कई गुना बढ़ गई। लोकतंत्र में मताधिकार का उपयोग जागरूक नागरिक के लिए बहुत मायने रखता है। पहले शबनम को अपने हाथों से गोद में उठाकर उनकी माँ श्रीमती इंदिरा बाई मतदान केंद्र ले जाती थीं।

कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा और सुशील आनंद शुक्ला विवाद पर भाजपा ने किया पोस्टर वार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा और संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के बीच विवाद का वीडियो सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला और राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका का कार्टून पोस्टर ट्वीटर पर पोस्ट कर बड़ा हमला किया है। पोस्टर में सुशील आनंद शुक्ला को भूपेश बघेल का चेला बताया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में बुधवार की सुबह कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा और संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद के बीच विवाद होने का मामला सामने आया था। पता चला कि कांग्रेस के संचार विभाग में घटित इस घटना से संचार विभाग में मंगलवार शाम को राधिका खेड़ा ने मीडिया वालों को बाइट के लिए आमंत्रित किया था। बाइट देने के बाद बाद वह संचार विभाग में मौजूद थीं। मीडिया के लोग बाइट लेने के बाद जा चुके थे। इसके कुछ देर बाद ही संचार विभाग अध्यक्ष प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के कमरे के बाहर बहस होने की आवाजें आने लगी। जानकारी के अनुसार सुशील आनंद शुक्ला और राधिका खेड़ा के बीच कुछ-कुछ बातों को लेकर तीखी बहस होने लगी। जिसके बाद राधिका खेड़ा कांग्रेस भवन से रोते हुए बाहर निकली और अपने होटल के लिए रवाना हो गई। बताया यह भी जा रहा है कि इस दौरान राधिका खेड़ा ने भूपेश बघेल को फोन भी लगाया पर बघेल ने उनका फोन नही उठाया। इन्ही सब मामलों को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए सोशल मिडिया में पोस्टर जारी किया है।

होम वोटिंग की सुविधा से 105 वर्षीय कन्हैया राम ने किया मतदान

परिजनों ने दिया निर्वाचन आयोग को धन्यवाद

रायपुर(समय दर्शन)। लोकसभा चुनाव-2024 में निर्वाचन आयोग ने 85 वर्ष और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी है। ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कांदुल साहूपारा निवासी श्री कन्हैया राम बंछोड की उम्र 105 वर्ष की उम्र में लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी निभाने का जज्बा दिखा। आज उनके घर मतदान दल जब पहुंचा तो वे और उनके परिजन खुशी से खिल उठे। मतदान दल में तहसीलदार श्रीमती तुलसी राठौर सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने सबसे पहले जाकर उनके परिजनों को श्री कन्हैया राम को बुलाने का आग्रह किया। उस समय क्षण भर के ही भीतर श्री कन्हैया लाल वोटिंग टीम के पास पहुंच गए। दल के सदस्यों ने प्रक्रिया शुरू की और श्री कन्हैया ने अंगुठा लगाकर प्रक्रिया पूर्ण की। उनकी अंगुली पर अमिट स्याही लगाई गई उसके बाद उन्होंने मतदान किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के इस पहल के लिए धन्यवाद दिया। श्री कन्हैया राम बंछोर के सुपुत्र हृदय सिंह बंछोर ने बताया कि उनके पिता का जन्म वर्ष 1919 में हुआ। वे हमेश निर्वाचन प्रक्रिया में हिस्सा लेते रहे मतदान करते रहे। उनके सुपुत्र ने कहा कि उनकी स्वयं की उम्र 60 वर्ष है। उन्होंने हमेशा अपने पिता को मतदान करते देखा है। मगर आज इस उम्र में आने के बाद उन्हें मतदान केन्द्र जाने में तकलीफ हो रही है।

अवैध रूप से पानी बेचने का धंधा,निगम ने करवाया बंद

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी के दलदल सिवनी क्षेत्र में अवैध रूप से वॉटर प्वाइंट संचालित किये जाने की जानकारी मिलने पर नगर निगम रायपुर ने कार्यवाही करते हुए उक्त वॉटर प्वाइंट को बंद करवाते हुए मौके पर खड़े पानी टेंकरों को जब्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम रायपुर के उपायुक्त संतोष पांडे बुधवार को दलदल सिवनी क्षेत्र से गुजर रहे थे इसी दौरान उन्होंने देखा कि सड्डू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के ठीक पीछे बहने वाले नाले के करीब एक खुले स्थान पर कुछ पानी के टेंकर खड़े हुए है तथा वहां दो बड़े बोरों के माध्यम से पानी भरा जा रहा था। यहां बोर का मुख्य जल स्तोत्र नाले का भूमिगत पानी ही रहा है। जब उपायुक्त संतोष पांडे और टीम ने वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की तो पानी के इस अवैध धंधे का खुलासा हुआ। पता चला कि वहां दो बोर खुदवाकर करीब दर्जन भर टैंकरों के जरिए आसपास की कॉलोनियों,बिल्डरों और अन्य लोगों को पानी बेचा जा रहा है। जिसके बाद निगम की टीम ने बोर से निकले 90 डिग्री हाईड्रेंड लाइन को तोड़कर बोर को बंद किया। और वहां बने पक्के गुमटी को भी गिराया। साथ ही सभी टैंकर जब्त किया गया। इस संबंध में उपायुक्त पांडे ने बताया कि इस पानी की न तो कभी टेस्टिंग होती , न निगम से कोई अनुमति ही नहीं ली गई थी।

कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा नादिया जिले में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करती हुई।

चोरी के वाहन बेचने ग्राहक तलाश रहा चोर पकड़ाया

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने अलग - अलग स्थानों से दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से दो दुपहिया वाहन बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना कोतवाली क्षेत्र में एक युवक 2 नग दोपहिया वाहन बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति एवं वाहनों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम नानू यादव निवासी राम कृष्ण परमहंस वार्ड नंबर 2 विकास नगर रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा नानू यादव से वाहन के कागजात के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा गोल मोल जवाब देकर लगातार टीम को गुमराह करने का प्रयास करते हुए वाहन के संबंध में किसी प्रकार का कोई भी कागजात या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा नानू यादव से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा दोनो वाहन को चोरी का होना बताया गया। आरोपी नानू यादव को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर कब्जे से चोरी की 2 नग दोपहिया वाहन जप्त किया गया। आरोपी से जप्त चोरी की 02 नग दोपहिया वाहन में आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में तथा थाना खमतराई में धारा 379 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध है।

पढ़ाई में सफलता के लिए मन की एकाग्रता जरूरी : ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी

रायपुर(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प प्रेरणा में मन का मालिक बनें विषय पर ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने बच्चों को उपयोगी टिप्स दिए। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने कहा कि मन का मालिक बनने और पढ़ाई में सफ्लता पाने के लिए एकाग्रता बहुत जरूरी है। हम जिस समय और जो कार्य करते हैं उस समय केवल उसी कार्य के विषय में हमारा ध्यान केन्द्रित होना चाहिए। मन को नियंत्रित करने के लिए अच्छा तरीका यह है कि मन को अपना दोस्त बना लें। अपने मन से बातें करें उसे खाली न रखें। राजयोग मेडिटेशन से एकाग्रता और स्मरण शक्ति दोनों बढ़ती है। अपने मन को एकाग्र करने के लिए राजयोग सीखना जरूरी है। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने एकाग्रता के लाभ गिनाते हुए कहा कि इससे हमारी कार्यक्षमता का विकास होता है। कार्य में परिपूर्णता आती है। निर्णय क्षमता का विकास होता है। स्मरण शक्ति बढ़ती है और मन के संकल्प शान्त होते हैं। उन्होंने एकाग्रता की शक्ति बढ़ाने के उपायों की चर्चा करते हुए कहा कि हमें वही बातें याद रहती है जिसमें हमारी रूचि होती है। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी पढ़ाई के प्रति रूचि पैदा करना जरूरी है। कभी भी पढ़ाई को बोझ न समझें। उन्होंने बतलाया कि राजयोग माना परमात्मा से जुड़कर उनसे शक्तियाँप्राप्त करना। राजयोग में स्वयं की पहचान जरूरी है। आत्मा और शरीर का सम्बन्ध मोबाईल और सिम की तरह हैं। हमारा शरीर मोबाईल है तो आत्मा उसकी सिम है। मन बुद्धि और संस्कार आत्मा की तीन शक्तियाँ हैं। मन का कार्य है विचार करना। बुद्धि का कार्य है निर्णय करना और बार-बार किए गए कर्मों से हमारे संस्कार बनते हैं। अब हमें सकारात्मक विचारों को ही अपने मन में जगह देना है।

हाउसिंग बोर्ड कालोनीवासियों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर से सटे परसुलीडीह के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनीवासी में पानी की किल्लत से रहवासी परेशान हैं. इस समस्या के चलते कॉलोनीवासी सड़क पर उतरकर चुनाव बहिष्कार करने मजबूर हो चुके हैं. इससे पहले भी कॉलोनीवासी पानी को लेकर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दे चुके हैं. कॉलोनीवासियों का कहना है कि 4000 की आबादी वाले इस क्षेत्र में जिम्मेदार अफ्सरों की लापरवाही के चलते अब तक लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच सका है. न विधायक न सरपंच और न ही नगर निगम इस समस्या का समाधान कर रहे. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण को अब कुछ ही दिन बाकी है। भीषण गर्मी में पानी की समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने बैनर पोस्टर लगाकर प्रदर्शन भी शुरू कर दिया है. लोगों का कहना है कि मोदी की गारंटी पर चुनाव में वोट दिया था, गारंटी अब देख ली है. अब पानी नहीं तो वोट भी नहीं देंगे. चुनाव का बहिष्कार करेंगे.

संपादकीय

भारत से रिश्तों में खटास बढ़ने का अंदेशा

मालदीव में हुए चुनाव में मोहम्मद मोइज्जू के दल ने 71 सीटों पर जीत हासिल की है। राष्ट्रपति मोइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने बीसवी पीपुल्स मजलिस यानी संसद में कुल 93 में से 68 सीटें जीतीं। इसके गठबंधन साझेदारों मालदीव नेशनल पार्टी व मालदीव डेवलपमेंट एलायंस ने क्रमशः एक व दो सीट जीती। जो संसद के दो तिहाई बहुमत से अधिक है। पिछले साल चुनाव जीतने के बाद यह चुनाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा की तरह देखा जा रहा था। मुइज्जू की प्रचंड कही जा रही यह जीत चीन समर्थक व भारत विरोधी नीतियों के तौर पर देखी जा रही है। मौजूदा मजलिस में पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलीह को भारत समर्थक माना जाता है। अब तक बहुमत में रहे उनके दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने पिछले दिनों मुइज्जू सरकार के मंत्रियों की नियुक्ति रोक दी थी। ताजा चुनाव में उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ा। मालदीव की आर्थिक स्थिति बेहद चिंतनीय है। उस पर पहले ही भारी कर्ज है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष चेतावनी भी दे चुका है। मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद भारत से रिश्तों में आई खटास बढ़ने का अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है। कहा जा रहा है भारतीय सैनिकों की वापसी के फैसले के कारण ही उन पर मतदाताओं का भरोसा बढ़ा है। चीन इसका लाभ उठाने की संभावनाओं की तलाश में पहले ही है। वह करोड़ों डॉलर कर्ज दे चुका है। चीन के निमंत्रण पर वहां दौरा कर मुइज्जू भारत को स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। वे यूएई व तुर्की भी गए पर भारत नहीं आए, जबकि इससे पहले अब तक वहां के राष्ट्रपति यहां आते रहे हैं। हम छोटे देश हैं, उसका मतलब यह नहीं कि हमें धौंस दिखाने का अधिकार है, मुइज्जू ने यह बयान भारत का नाम लिये बगैर दिया था। बल्कि उन्होंने अपनी रैली में साफतौर पर कहा कि चीन उन्हें नॉन लीथल हथियार मुफ्त देने को राजी है। इससे पहले ही चीन के साथ मालदीव सरकार के सैन्य समझौतों को लेकर भारत की चिंताएं बढ़ चुकी हैं। भारतीय पर्यटकों की पसंदीदा जगह होने के साथ ही मालदीव हम पर खाद्य व निर्माण सामग्री के लिए निर्भर होने के चलते रिश्तों को इतना बिगाड़ने से पहले सोचेगा जरूर।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल-तस्करी

ललित गर्ग

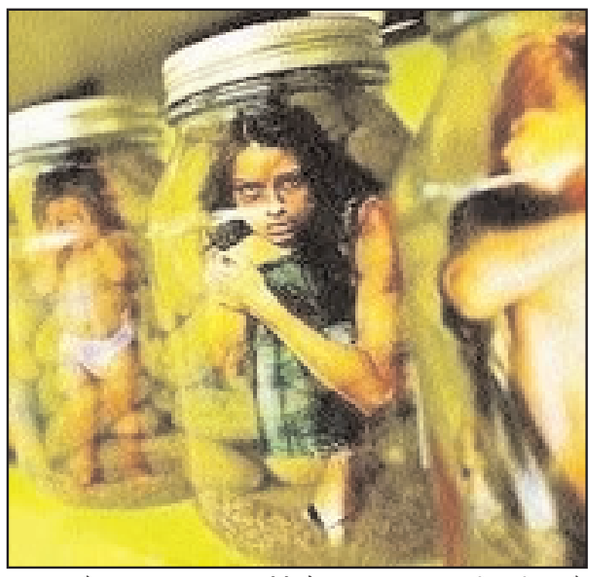

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोश्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की 'बच्चा मंडी' के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दापाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफपैदा करने वाली भी है।

दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पर्दाफाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफनहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुर्माने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त में लिप्त हो जाते हैं। बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। लड़कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इन को भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है। देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करोड़ से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बड़ी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमशः दूसरे, तीसरे नंबर पर थे। इस अवधि में मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में भी कई मामले दर्ज हुए। कोरोना काल के बाद दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह भी देखने में आया कि जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा। पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई। देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी। बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार हो सके। इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है?

आज के दौर में ट्रेड यूनियन आंदोलन और चुनौतियां

संजय पराते

आजादी के आंदोलन में ट्रेड यूनियनों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैसे तो वर्ष 1920 में आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की स्थापना के साथ हमारे देश में संगठित ट्रेड यूनियन आंदोलन की शुरूआत मानी जा सकती है, लेकिन इससे पहले 1908 की जुलाई में बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के मुकदमे में 6 साल की सजा सुनाये जाने के बाद बंबई के चार लाख मजदूरों ने 6 दिनों की ऐतिहासिक हड़ताल करके आजादी के आंदोलन में सड़कों पर उतरने का ऐलान कर दिया था। यह मजदूर वर्ग की पहली राजनैतिक लड़ाई थी, जिसने उपनिवेशवादी शोषण और आर्थिक बदहाली के खिलाफ आम जनता के असंतोष को अभिव्यक्त किया। 1936 में किसान सभा की स्थापना के साथ साम्राज्यवाद के खिलाफ मजदूर-किसान एकता की वर्गीय भावना तेज हुई। 1946 में नौसेना का विद्रोह, जिसमें एक साथ कांगेस, मुस्लिम लीग और कम्युनिस्ट पार्टी के झंडे फहराए गए थे, इसकी चरम अभिव्यक्ति थी, क्योंकि हर वर्दी के नीचे एक किसान छुपा हुआ था। इस विद्रोह ने देश से अंग्रेजों की विदाई को अंतिम रूप दे दिया।

आजादी के बाद ट्रेड यूनियनों की भूमिका देश के नव-निर्माण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गई। हालांकि ट्रेड यूनियनें बनती हैं मजदूरों की आर्थिक समस्याओं को केंद्र में रखकर, लेकिन हमारे देश में ट्रेड यूनियनों की भूमिका सामूहिक सौदेबाजी की ताकत पर मजदूरों के केवल वेतन-भत्तों/मजदूरी बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि उसे व्यापक राजनैतिक सवालों से भी जूझना पड़ा है। इस ट्रेड यूनियन आंदोलन ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण का समर्थन किया, तो आपातकाल के खिलाफ भी उसे जूझना पड़ा। महंगाई और बेरोजगारी के सवाल को उसने हमेशा केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों से जोड़कर देखा। मजदूर वर्ग की व्यापक एकता बनाए रखने के लिए उसे सांप्रदायिक-उन्मादी ताकतों से भी लड़ना पड़ा है। वह वैश्वीकरण-उदारीकरण और निजीकरण की नीतियों से पैदा हो रहे संकट के खिलाफ संघर्ष करने के प्रति भी सचेत है और इन नीतियों के खिलाफ लड़ने के लिए व्यापक मजदूर-किसान एकता का निर्माण करने की जरूरत को भी शिद्दत से महसूस कर रहा है। वह समझ रहा है कि इस एकता के बल पर ही आम जनता के लोकतांत्रिक आंदोलनों का निर्माण किया जा सकता है। इस प्रकार, आजादी के आंदोलन के दौरान और उसके बाद भी ट्रेड यूनियनों की भूमिका केवल मजदूरी बढ़ाने जैसे आर्थिक मुद्दों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि हमारी मानव सभ्यता को आगे बढ़ाने, समूचे समाज को संस्कारित करने और लोकतंत्र को बचाने-बढ़ाने और उसे मजबूत करने की रही है। लेकिन यूरोप के ट्रेड यूनियन आंदोलन और हमारे देश के ट्रेड यूनियन आंदोलन में एक बुनियादी अंतर है। यूरोपीयन समाज सामंतवाद की राख से पैदा हुआ पूंजीवादी समाज है। हमारे देश में सामंती समाज को ध्वस्त करके पूंजीवाद की स्थापना नहीं हुई है, बल्कि पूंजीवाद को सामंतवाद पर रोपा गया है। इसलिए यूरोप के पूंजीवाद ने भूमि के जिन सामंती संबंधों को बेहिचक नष्ट किया, भारत में ये संबंध बने रहे। यह पूंजीवाद का सामंतवाद के साथ गठजोड़ था, जिसके कारण पूंजीवादी संविधान के बुनियादी लोकतांत्रिक-धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति हमारे देश का शासक वर्ग और सत्ताधारी पार्टियां कभी ईमानदार नहीं रही। नतीजन, धर्म-जाति-भाषा-क्षेत्र के आधार पर सामंती मूल्यों को बढ़ावा मिला, वैज्ञानिक सोच को दरकिनार करके अंधविश्वास और पोंगापंथ को पाला-पोसा गया, धर्मनिरपेक्षता पर सांप्रदायिक राजनीति को हावी होने दिया गया और धनबल और पहचान की राजनीति केंद्र में लाई गई। यह सब काम सुनियोजित तरीके से किया गया, ताकि पूंजीपतियों के मुनाफे पर कोई आंच न आने पाए और पूंजी के खिलाफ विकसित हो रहे संघर्ष को हर स्तर पर कमजोर किया जा सके। इस प्रक्रिया का हमारे समाज पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा। जनवादी-प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुई और इसका उतना ही बुरा असर हमारे देश के ट्रेड यूनियन आंदोलन पर भी पड़ा, क्योंकि सार रूप में ट्रेड यूनियनें हमारे समाज और सामाजिक संगठन का ही एक हिस्सा है। परंपरागत वामपंथी ट्रेड यूनियनें कमजोर हुई हैं। वामपंथी ट्रेड यूनियनों के कमजोर होने का अर्थ है, मजदूरों की वर्गीय एकता का कमजोर पड़ना। अब धर्म और जाति के आधार पर काम करने वाली ट्रेड यूनियनों का भी उदय हुआ। ये ऐसी ट्रेड यूनियनें हैं, जो मजदूरों को एक वर्ग के रूप में संगठित होने और उनमें मजदूरवर्गीय एकता की भावना विकसित होने से रोकती हैं। नवउदारीकरण के दौर ने समूचे परिदृश्य को बदल दिया है और ट्रेड यूनियनों के सामने नई चुनौतियां पेश हुई हैं। मुनाफे अधिकतम करने की कोशिश में वित्तीय पूंजी और ज्यादा खूंखार और आक्रामक हुई है और आदिम संचय की प्रक्रिया ने परजीवी पूंजीवाद को जन्म दिया है। इस तरह लोकतंत्र, वैज्ञानिक चेतना और एक विकसित व सभ्य समाज के निर्माण के काम को पूंजीवाद ने त्याग दिया है। पूंजीवादी लोकतंत्र ने आम जनता और विशेषकर मजदूर वर्ग को जो अधिकार दिए हैं, उसे छीनने की प्रक्रिया तेज हो गई है और समूचे मजदूर वर्ग को बंधुआ दासता के युग में ढकेलने की कोशिश हो रही है। इसी का परिणाम है : श्रम कानूनों का निरस्तीकरण और श्रम संहिताओं को उन पर थोपा जाना। इस पूंजी ने वैचारिक वर्चस्व कायम करने के लिए मीडिया सहित अपने सारे संसाधनों को झोंक दिया है। जो कुछ आज तक संघर्षों से हासिल हुआ है, उसे बचाने की लड़ाई आज ट्रेड यूनियनों की मुख्य चिंता बन गई है। आज ट्रेड यूनियन आंदोलन का जोर चार श्रम संहिताओं की वापसी और पुराने श्रम कानूनों की बहाली पर है ; क्योंकि जो हासिल है, उसे बचाकर ही, और जो खो गया है, उसे फिर से पाकर ही आप आगे की लड़ाई लड़ सकते हैं।

उदारीकरण के इन तीन-चार दशकों में भारत को विश्व अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ा गया है। इससे उच्चतर वर्ग खुशहाल हुआ है तथा उनकी आय और क्रय-शक्ति बढ़ी है। वही दूसरी ओर, मेहनतकश वर्ग का शोषण और तेज हुआ है और वे जिंदा रहने लायक मजदूरी भी नहीं कमा पा रहे हैं। संगठित क्षेत्र में रोजगार घटा है और असंगठित क्षेत्र में मजदूरों की संख्या कुल श्रम-शक्ति का 93त्न तक पहुंच गई है। स्थायी नियमित मजदूरों की जगह ठेका मजदूर ले रहे हैं, जो सेवा अवधि और सामाजिक सुरक्षा के लाभ से वंचित होकर घोर दरिद्रता का जीवन जी रहे हैं। संगठित क्षेत्र के विनिर्माण उद्योग में 1980 के दशक में यदि 100 रूपये का सामान तैयार किया जाता था, तो इसमें मजदूरी का हिस्सा 30 रूपये होता था, जबकि कच्चे माल की लागत 50 रूपये होती थी और पूंजीपति को मुनाफा 20 रूपये होता था। पिछले 40-45 सालों में यह स्थिति उलट गई है। आज मजदूरी का हिस्सा घटकर 10 रूपये से भी कम रह गया है और पूंजीपति का मुनाफा बढ़कर 60 रूपये से अधिक हो गया है। यह मेहनतकशों के बढ़ते शोषण को ही दिखाता है। इसका नतीजा है कि आज गरीब तबका बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बनाने में असमर्थ हैं। बेरोजगारी नई ऊंचाई पर पहुंच गई है और आज पिछले 50 सालों के सर्वोच्च स्तर पर है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण बेरोजगारी दर ।.44त्न है, जबकि शहरी बेरोजगारी दर 10.09त्न (दिसंबर 2022 की स्थिति में) है। सार्वजनिक क्षेत्र को कमजोर करने की दिशा में जो कदम सरकार उठा रही है, उससे सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार पाने की युवाओं की आशा खत्म हो रही है और उन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय राजनीति के उदारीकरण के बाद के चरण की एक उल्लेखनीय विशेषता है - नीति निर्माण और क्रियान्वयन पर कॉर्पोरेटों द्वारा अत्यधिक नियंत्रण प्राप्त करना। मोदी राज में इस नियंत्रण ने सारी हदें तोड़ दी हैं। सार्वजनिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर निजीकरण कॉर्पोरेट तुष्टिकरण का मुख्य तरीका है। यहां तक कि लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रमों का भी निजीकरण किया जा रहा है और कॉर्पोरेट एकाधिकार को आगे बढ़ाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। देश की विशाल ढांचागत संपत्ति निजी कॉर्पोरेट कंपनियों और विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित बड़े व्यावसायिक घरानों को सौंपी जा रही है। यह पूरी अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा और रोजगार के नुकसान और बेरोजगारी की खतरनाक स्थिति को और खराब करेगा। ऐसा अनुमान है कि लॉकडाउन के दौरान लगभग 12 से 20 करोड़ मजदूरों को अपना रोजगार गंवाना पड़ा है। इस प्रकार, उदारीकरण की प्रक्रिया रोजगारहीन विकास से आगे बढ़कर रोजगार-हानि से जुड़ गई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की यह स्थिति इसके बावजूद है कि देश की विकास दर (सकल घरेलू उत्पाद - जीडीपी में) बढ़ रही है। इसके बावजूद भारत को संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक 2021-22 में 191 देशों में 132वां स्थान मिला है। वैश्विक भूख सूचकांक में भारत की रैंकिंग वर्ष 2021 में 121 देशों में से 101 से गिरकर वर्ष 2022 में 10। हो गई है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2022 की रैंकिंग में भारत को 146 देशों की सूची में 135वां स्थान मिला है। इसका अर्थ है कि जीडीपी विकास दर में वृद्धि आम जनता की समृद्धि और संपन्नता की सूचक होने के बजाये, भारतीय समाज में आर्थिक असमानता बढ़ने की और मानव विकास सूचकांक में और ज्यादा गिरावट आने की सूचक हो गई है। इन्हीं नीतियों का नतीजा है कि भारत में अरबपतियों की कुल संख्या वर्ष 2020 के 102 से बढ़कर वर्ष 2022 में 166 हो गई है। इसके विपरीत लगभग 23 करोड़ लोग -- दुनिया में सबसे ज्यादा - अति-गरीबी में रहते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट : द इंडिया सप्लीमेंट से पता चलता है कि भारत की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति का स्वामित्व इसकी जनसंख्या के मात्र 1 प्रतिशत के पास है। 10 सबसे अमीर भारतीयों की कुल संपत्ति वर्ष 2022 में 27.52 लाख करोड़ रूपये थी और वर्ष 2021 की तुलना में इसमें 32.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सबसे नीचे की 50 प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। इसका अर्थ है कि विकास की पूरी प्रक्रिया में मेहनतकश जो संपत्ति पैदा कर रहे हैं, उसे हडपने की प्रक्रिया अश्लीलता की हद तक पहुंच गई है। भारत का ट्रेड यूनियन आंदोलन आम जनता और मेहनतकशों पर उदारीकरण जनित इन दुष्प्रभावों से लड़ रहा है।

उदारीकरण की इस प्रक्रिया ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता के जीवन-अस्तित्व को सर्वनाश की ओर धकेला है, इसने एकजुट मजदूर वर्ग की अवधारणा को भी खंडित किया है। इसने मजदूर वर्ग के भीतर ही विभिन्न संस्तरों को भी जन्म दिया है, जिससे मेहनतकशों में वर्गीय एकता की भावना कमजोर हुई है। कुल श्रम-शक्ति में संगठित क्षेत्र के मजदूरों की हिस्सेदारी घटी है और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का प्रतिशत बढ़ा है और दोनों के बीच में आय/मजदूरी की असमानता भयावह रूप से बढ़ी है। आज देश के असंगठित क्षेत्र का मजदूर अपने जीवन-अस्तित्व की रक्षा के लिए ठीक उसी प्रकार संघर्ष कर रहा है, जैसे कि संकटग्रस्त किसान समुदाय।

नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ संघर्ष में इन विभिन्न संस्तर के मजदूरों को एकजुट करना - विशेषकर निजी उद्योगों के मजदूरों को संगठित करना - और उनमें मजदूर वर्गीय भावना पैदा करना ट्रेड यूनियन आंदोलन के लिए एक बड़ी चुनौती है। इन निजी उद्योगों में अब ट्रेड यूनियनों का पंजीयन ही बहुत कठिन काम है, क्योंकि नियोक्ता शुरूआत में ही नेतृत्वकर्ता मजदूरों को अपने दमन का निशाना बनाते हैं। ऐसे मामलों में राज्य के श्रम विभाग से भी कोई मदद नहीं मिलती, क्योंकि पूंजीपतियों के पक्ष में उन्हें पहले ही निष्प्रभावी बना दिया गया है। इन परिस्थितियों ने मजदूर वर्ग में प्रतिक्रियावादी विचारधारा और अपसंस्कृति के प्रसार के लिए उर्वर जमीन तैयार की है, क्योंकि मजदूरों की चेतना में सामंती मूल्य पहले से ही जिंदा है। कॉर्पोरेट-नियंत्रित मीडिया ने भी इन प्रतिक्रियावादी मूल्यों को बढ़ावा दिया है और मजदूर वर्ग के एक बड़े हिस्से को प्रभावित किया है। पूंजीवादी मीडिया ने बड़े ही सुनियोजित तरीके से व्यक्तिगत सफलता के मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर उभारा है और ट्रेड यूनियनों के सामूहिक प्रयासों को नजरअंदाज किया है। इससे मजदूर वर्ग के एक हिस्से में, खास तौर से शिक्षित और मध्यवर्गीय युवाओं में, जो व्यक्तिगत प्रयासों में ज्यादा और ट्रेड यूनियन गतिविधियों में कम विश्वास रखते हैं, भ्रम पैदा हुआ है। मजदूर वर्ग के बीच जाति, धर्म और इसी प्रकार की पहचान आधारित संगठनों का प्रभाव भी बढ़ा है और इससे वर्ग आधारित एकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

मजदूर वर्ग के प्रगतिशील आंदोलन को इन विपरीत प्रवृत्तियों का निश्चित तौर पर सामना करना पड़ रहा है, लेकिन केवल एक मजबूत मजदूर वर्गीय आंदोलन के जरिये ही इसका मुकाबला किया जा सकता है। ऐसे आंदोलनों को विकसित करने का आधार भी उन्हीं भौतिक परिस्थितियों में छुपा है, जिसमें पूंजी उन्हें अपने दमन और शोषण का शिकार बनाती है। वर्गीय उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष की प्रक्रिया में ही वर्गीय एकता की अवधारणा का विकास होगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने के उचित रास्ते खोजने होंगे और पूंजी के हमलों के खिलाफ एक प्रभावशाली संघर्षों में उसे लामबंद करना होगा। आज जब भारतीय पूंजी का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो रहा है और बड़े पूंजीपतियों के हाथों कई औद्योगिक और गैर-औद्योगिक कंपनियों का नियंत्रण हैं और ये कंपनियां वैश्विक उत्पादन के ढांचे से बंधी हुई है, मजदूर वर्ग में विभिन्न संस्तरों का होना भारतीय पूंजीवाद की विशेषता बन गया है। इन मजदूरों की चेतना का स्तर भी भिन्न-भिन्न होगा, लेकिन ये सभी पूंजी के शोषण के शिकार है।

वर्ष 2008 से वैश्विक मंदी जारी है और हाल-फिलहाल इससे बाहर निकलने की कोई संभावना नजर नहीं आती। इस मंदी के प्रभाव से हमारा देश भी अछूता नहीं है। इसका अर्थ है कि कामकाजी लोगों की आर्थिक हालत में गिरावट आ रही है। इसी समय, हमारे देश की सरकारें विदेशी पूंजी और निजी निवेशकों की भावनाओं को सहला रही है। इस मंदी से निकलने के लिए और अपने मुनाफों को बनाए रखने के लिए पूंजीपति वर्ग मेहनतकशों पर बोझ लाद रहा है। मजदूर वर्ग को श्रम कानूनों से वंचित करना और उन पर श्रम संहिताओं को थोपा जाना इसी प्रयास का हिस्सा है, जो उन्हें संगठन बनाने और सामूहिक सौदेबाजी करने के बुनियादी अधिकार से वंचित करता है। इससे पूंजी और श्रम के बीच का अंतर्विरोध बढ़ रहा है। नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ संघर्षों को मजबूत करके ही ट्रेड यूनियनें इसका हल निकाल सकती है। इसलिए एक संयुक्त ट्रेड यूनियन आंदोलन को विकसित करने की सारी संभावनाएं भी मौजूद हैं।

लेकिन नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ संघर्षों को तब तक व्यापक नहीं बनाया जा सकता, जब तक कि इसे मोदी सरकार की सांप्रदायिक नीतियों के खिलाफ संघर्षों से जोड़ा नहीं जाता। वर्ष 2014 से मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादी ताकतें मजबूत हुई है। यह सरकार फासीवादी आरएसएस के हिंदुत्व के एजेंडे को आक्रामक रूप से लागू कर रही है। सामाजिक-इथनिक विभाजनों को बरकरार रखते हुए भी वह इन सभी तबकों पर हिंदुत्व की पहचान को थोपने में काफी हद तक सफल हुई है। इसका मजदूर वर्ग और कामकाजी लोगों पर भी बुरा असर पड़ा है। इसलिए, आज हिंदुत्व की विचारधारा का मुकाबला करना और एक ऊंचे स्तर की राजनैतिक चेतना के साथ वर्गीय एकता का निर्माण करना ट्रेड यूनियन आंदोलन के विकास के लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए ट्रेड यूनियनों को कारखानों और कार्य-स्थलों से बाहर निकलकर मजदूरों और मेहनतकशों की बस्तियों में जाना होगा और उनके सामाजिक मुद्दों, जैसे : दलित उत्पीड़न व आदिवासियों के शोषण, को जबरदस्त तरीके से उठाना होगा तथा उन्हें प्रगतिशील सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना होगा। इसका अर्थ है कि ट्रेड यूनियनों को अपने संकीर्ण आर्थिक नजरिये से ऊपर उठकर सामाजिक-सांस्कृतिक दायित्वों का भी निर्वहन करना होगा।

मार्क्स का नारा था : दुनिया के मजदूरों एक हो! इस नारे की सबसे बड़ी पूंजीवादी आलोचना यही है कि हमारे देश में मजदूर जब किसी एक संगठन के नीचे नहीं हैं, तो दुनिया के मजदूर कैसे एक होंगे? लेकिन मार्क्स के इस नारे का अर्थ मजदूरों के किसी एक संगठन के नीचे एकत्रित होने का नहीं है। इस नारे का वास्तविक अर्थ यही है कि दुनिया के स्तर पर साम्राज्यवाद के खिलाफ और अपने-अपने देशों के भीतर सरकारों की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष में मजदूर एकजुट हों। आज भारत अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की तानाशाही की जकड में है, कॉर्पोरेट और हिंदुत्व के गठबंधन ने देश की अस्मिता को दांव पर लगा दिया है, संवैधानिक संस्थाएं चरमरा रही है और एक फासीवादी तानाशाही का खतरा देश के दरवाजे पर खड़ा है।

धन, धान्य, सुख, ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए पढ़ें श्री लक्ष्मी सूक्त पाठ

श्री लक्ष्मीसूक्तम पाठ

पद्मानने पद्मिनि पद्मपत्रे पद्मप्रिये पद्मदलायताक्षि।
विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधत्स्व।
हे लक्ष्मी देवी! आप कमलमुखी, कमल पुष्प पर विराजमान, कमल-दल के समान नेत्रों वाली, कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं। सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं। आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं। हे देवी! आपके चरण-कमल सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।
पद्मानने पद्मऊरू पद्माक्षी पद्मसम्भवे।
तन्मे भजसिं पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम।।
हे लक्ष्मी देवी! आपका श्रीमुख, ऊरु भाग, नेत्र आदि कमल के समान हैं। आपकी उत्पत्ति कमल से हुई है। हे कमलनयनी! मैं आपका स्मरण करता हूँ, आप मुझ पर कृपा करें।
अश्वदायी गोदायी धनदायी महाधने।
धनं मे जुष तां देवि सर्वाकामांश्च देहि मे।
हे देवी! अश्व, गौ, धन आदि देने में आप समर्थ हैं। आप मुझे धन प्रदान करें। हे माता! मेरी सभी कामनाओं को आप पूर्ण करें।
पुत्र पौत्र धनं धान्यं हस्त्यश्वादिगवेरथम।
प्रजानां भवसी माता आयुष्मंतं करोतु मे।
हे देवी! आप सृष्टि के समस्त जीवों की माता हैं। आप मुझे पुत्र-पौत्र, धन-धान्य, हाथी-घोड़े, गौ, बैल, रथ आदि प्रदान करें। आप मुझे दीर्घ-आयुष्य बनाएँ।
धनमाग्नि धनं वायुर्धनं सूर्यो धनं वसु।
धन मिंद्रो बृहस्पतिर्वरुणां धनमस्तु मे।
हे लक्ष्मी! आप मुझे अग्नि, धन, वायु, सूर्य, जल, बृहस्पति, वरुण आदि की कृपा द्वारा धन की प्राप्ति कराएँ।
वैनतेय सोमं पिव सोमं पिवतु वृत्रहा।
सोमं धनस्य सोमिनो महयं ददातु सोमिनः।
हे वैनतेय पुत्र गरुड़! वृत्रासुर के वधकर्ता, इंद्र, आदि समस्त देव जो अमृत पीने वाले हैं, मुझे अमृतयुक्त धन प्रदान करें।
न क्रोधो न च मात्सर्यं न लोभो नाशुभामतिः।
भवन्ति कृतपुण्यानां भक्तानां सूक्त जापिनाम।।
इस सूक्त का पाठ करने वाले की क्रोध, मत्सर, लोभ व अन्य अशुभ कर्मों में वृत्ति नहीं रहती, वे सत्कर्म की ओर प्रेरित होते हैं।
सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुक गंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरी प्रसीद महयम।।
हे त्रिभुवनेश्वरी! हे कमलनिवासिनी! आप हाथ में कमल धारण किए रहती हैं। श्वेत, स्वच्छ वस्त्र, चंदन व माला से युक्त हे विष्णुप्रिया देवी! आप सबके मन की जानने वाली हैं। आप मुझ दीन पर कृपा करें।
विष्णुपत्नीं क्षमां देवीं माधवीं माधवप्रियाम।
लक्ष्मीं प्रियसखीं देवीं नमाम्यच्युतवल्लभाम।
भगवान विष्णु की प्रिय पत्नी, माधवप्रिया, भगवान अच्युत की प्रेयसी, क्षमा की मूर्ति, लक्ष्मी देवी मैं आपको बारंबार नमन करता हूँ।
महादेव्यै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात
हम महादेवी लक्ष्मी का स्मरण करते हैं। विष्णुपत्नी लक्ष्मी हम पर कृपा करें, वे देवी हमें सत्कार्यों की ओर प्रवृत्त करें।
चंद्रप्रभां लक्ष्मीमेशानीं सूर्याभांलक्ष्मीमेश्वरीम।
चंद्र सूर्याग्निसंकाशां श्रिय देवीमुपास्महे।
जो चंद्रमा की आभा के समान शीतल और सूर्य के समान परम तेजोमय हैं उन परमेश्वरी लक्ष्मीजी की हम आराधना करते हैं।
श्रीर्वर्चस्वमायुष्यमारोग्यमाभिधाच्छ्रोभमानं महीयते।
धान्य धनं पशु बहु पुत्रलाभम सत्संवत्सरं दीर्घमायुः।
इस लक्ष्मी सूक्त का पाठ करने से व्यक्ति श्री, तेज, आयु, स्वास्थ्य से युक्त होकर शोभायमान रहता है। वह धन-धान्य व पशु धन सम्पन्न, पुत्रवान होकर दीर्घायु होता है।

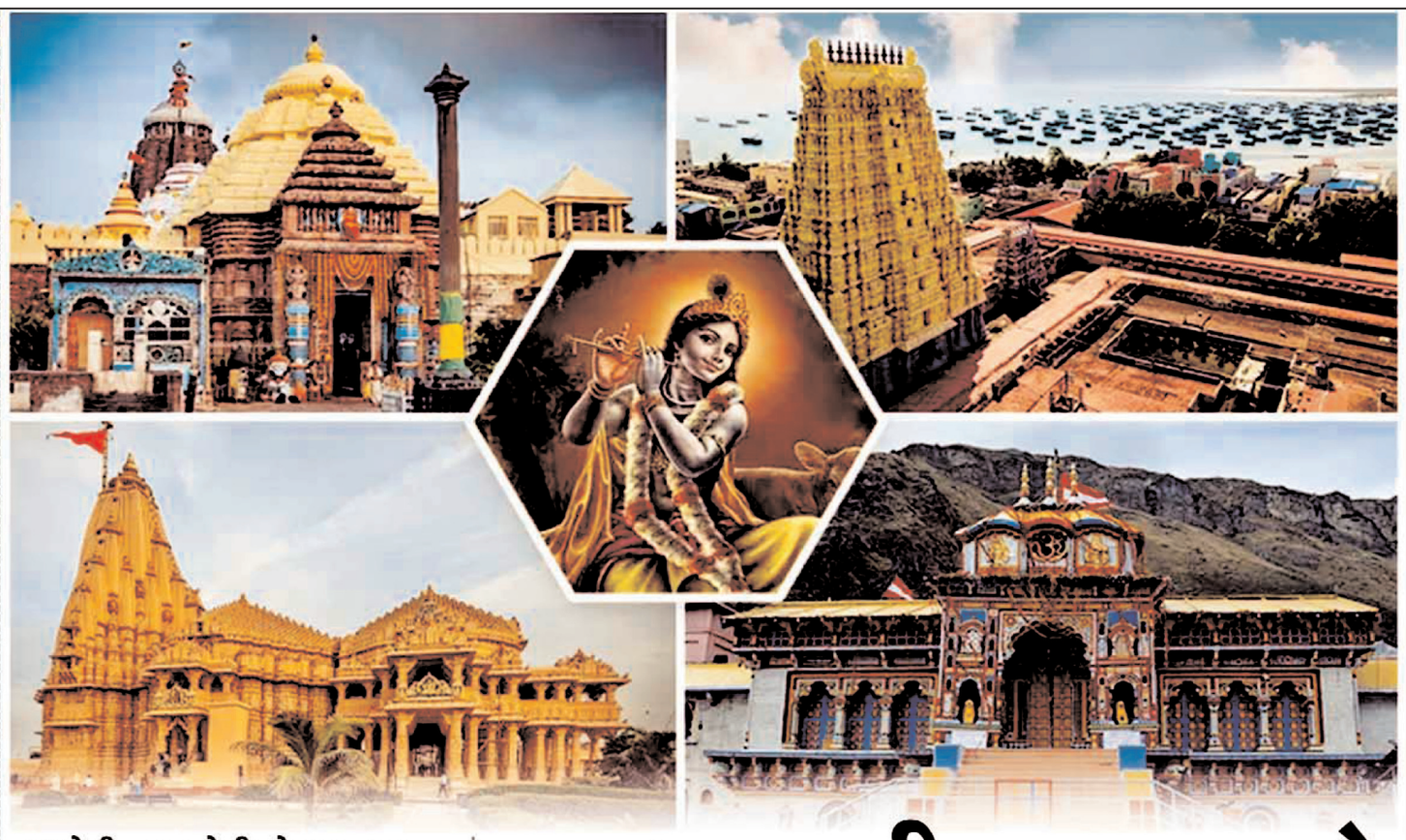

चारधाम की यात्रा करने से मिलते हैं शुभ फल

गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा को छोटा चार धाम यात्रा कहते हैं। वैसे बड़े चार धाम के नाम है बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम और द्वारिका धाम। चारधाम की यात्रा करने से मिलते हैं शुभ फल। जानिए यात्रा का महत्व।

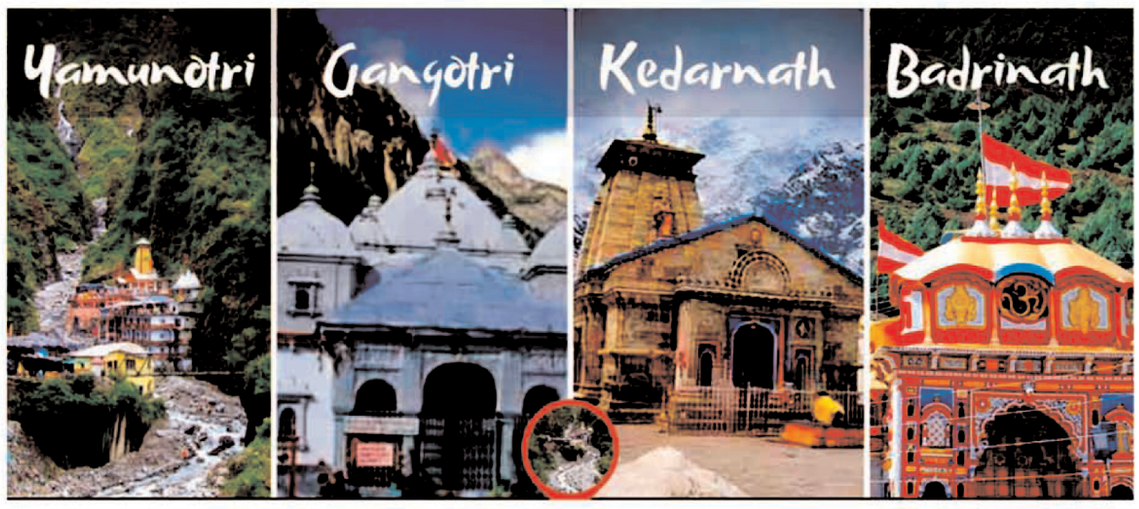

उक्त चारों ही स्थान पर दिव्य आत्माओं का निवास माना गया है। यह बहुत ही पवित्र स्थान माने जाते हैं। केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वहीं बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं।

यहां बदरीनाथ की मूर्ति शालग्रामशिला से बनी हुई, चतुर्भुज ध्यानमुद्रा में है। यहां नर-नारायण विग्रह की पूजा होती है और अखण्ड दीप जलता है, जो कि अचल ज्ञानज्योति का प्रतीक है। केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। भगवान केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद बद्री क्षेत्र में भगवान नर-नारायण का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे जीवन-मुक्ति भी प्राप्त हो जाती है। इसी आशय को शिवपुराण के कोटि रुद्र संहिता में भी व्यक्त किया गया है।

चारधाम यात्रा के शुभ फल

- **पाप हो जाते हैं नष्ट :** इस यात्रा को करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।
- **जन्म मरण से मिलती मुक्ति :** कहते हैं कि इस यात्रा में मृत्यु को प्राप्त हो जाना सबसे शुभ है। व्यक्ति को जीवन-मुक्ति प्राप्त हो जाती है। बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि 'जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी'। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुनः उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। शिव पुराण के अनुसार केदारतीर्थ में पहुंचकर, वहां केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन कर जो मनुष्य वहां का जल पी लेता है, उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- **बढ़ता है अनुभव :** चारधाम यात्रा से हमें नए-नए अनुभव होते हैं, हमारी स्मृतियां और सोच बढ़ती है। हम शिक्षित होते हैं।
- **प्रकृति के होते हैं दर्शन :** यात्राओं से हम यह देख पाते हैं कि धरती कैसी है, प्रकृति कैसी है, शहर, गांव और कस्बें कैसे हैं।
- **संस्कृति के होते दर्शन :** यात्राओं से हमें भिन्न-भिन्न संस्कृति और धर्म की भाषा, भूषा और भोजन का पता चलता है। यात्राओं से ही जान सकते हैं कि लोग कैसे हैं, उनके विचार कैसे हैं और अततः हम यह निर्णय ले सकते हैं कि हम कैसे हैं। यात्राओं से जीवन में कई तरह के रंग भर जाते हैं।
- **आयु वृद्धि :** तीर्थ यात्रा में अक्सर पैदल चलना होता है। पैदल चलने से शरीर सुगठित और पुष्ट होता है। जंघा, भुजा, नाड़ी और मांस पेशियां परिपुष्ट हो जाती है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति को हर तरह की जलवायु का सामना करना होता है जिसके चलते वह सेहतमंद बनता है और नए नए अनुभव प्राप्त करता है। पहाड़ों पर शुद्ध हवा से नए जीवन का संचार होता है। आयु में वृद्धि होती है।
- **वंश को जानने का मिलता मौका :** तीर्थ यात्रा के दौरान व्यक्ति अपने देश और धर्म को जानने का प्रयास करता है। तीर्थ पुरोहित, पंडा से मिलकर अपने कुल खानदान को जानता है। तपस्वी, मनस्वी, साधु, संत आदि के आश्रमों में रुकने का मौका मिलता है। उनके आश्रम में नहीं ठहरते हैं तो उनसे मिलने का मौका मिलता है जिसके चलते मानसिक लाभ मिलता है।
- **अनुभव का मिलता फायदा :** बहुत से लोग एक शहर छोड़कर दूसरे शहर घूमते रहते हैं। इससे उन्हें पता चलता है कि कहां क्या मिलता है और कितने में मिलता है। ऐसा करके वे अपने शहर में वह व्यापार शुरू कर सकते हैं जो कि उनके शहर में नहीं होता है। ऐसी भी बहुत सारी बाते हैं जो आपके शहर में नहीं हो रही है। यदि आप यात्रा करेंगे तो पता चलेगा कि आपके शहर, गांव या कस्बे में क्या नहीं हो रहा है। जैसे कुछ लोग अमेरिका से सीखकर यहां आते हैं और अपने शहर को कुछ नया देते हैं।
- **जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य :** हिन्दू धर्म में चार धमों की तीर्थ यात्रा करने के महत्व के संबंध में विस्तार से उल्लेख मिलता है। इसके माध्यम से व्यक्ति देश के संपूर्ण लोगों, उनकी संस्कृति, भाषा, इतिहास, धर्म और परंपरा आदि से परिचित ही नहीं होता बल्कि वह अपने भीतर बौद्धिकता और आत्मज्ञान के रास्ते भी खोल लेता है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति में खुद के बारे में, लोगों के बारे में समझने की बुद्धि का विकास तो होता ही है साथ ही उसे अपने जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य भी पता चलता है। अक्सर लोग जीवन के अंतिम पड़ाव में तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन जो जवानी में गया समझो उसने ही सबकुछ पाया। वही परिपक्व और अनुभवी व्यक्ति है।

क्यों करते हैं तीर्थ यात्रा

- मोक्ष के लिए करते हैं तीर्थ दर्शन
- तीर्थ मार्ग में सत्संग से मिलता ज्ञान।
- जीवन का सत्य पचा चलता है।

तीर्थ यात्रा में हरगिज न करें यह काम

हिन्दू धर्म में तीर्थ यात्रा करने का खासा महत्व है। तीर्थ करने के कई सांसारिक और आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं। कई लोग तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन उन्हें तीर्थ यात्रा करने के नियम नहीं मालूम रहते हैं। वहां जाकर वे ऐसे कार्य करते हैं जो कि तीर्थक्षेत्र में वर्जित माने गए हैं। आओ जानते हैं कि तीर्थ क्षेत्र में कौनसे 14 कार्य हरगिज नहीं करना चाहिए। तीर्थ यात्रा करने समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- तीर्थ यात्रा के दौरान जप, तप और दान करना चाहिए। जो ऐसा नहीं करता है वह रोग और दोष का भागीदार बनता है।
- दूसरी जगह किया गया पाप तीर्थ यात्रा में नष्ट हो जाता है लेकिन तीर्थ में किया गया पाप कभी नष्ट नहीं होता है।
  अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति।
  तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति।
- पत्नि या पति को छोड़कर किए गए तीर्थ का पुण्य फल प्राप्त नहीं होता है। पत्नी के होते या पति के जिंदा रहते उन्हें छोड़कर अकेले तीर्थ नहीं किया जाता।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में किसी भी प्रकार का व्यसन करना या मांसाहार का सेवन करने से पाप लगता है।
- तीर्थ परिक्रमा या मंदिर परिक्रमा करते वक्त अधूरी परिक्रमा नहीं करना चाहिए और भगवान के सामने या तीर्थ के प्रमुख पड़ाव पर रुककर परिक्रमा करना चाहिए।
- तीर्थ क्षेत्र में या मंदिर में भगवान के समक्ष या श्रीविग्रह समक्ष पैर पसारकर बैठना अशुभ माना जाता है। इससे पाप लगता है। श्रीविग्रह के सामने जोर से बोलना और सांसारिक वार्तालाप करना भी मना है।
- तीर्थ में नदी या मूर्ति के सामने सोना और घुटनों को ऊंचा करके उनको हाथों से लपेटकर नहीं बैठना चाहिए। मूर्ति के सामने चिल्लाना और कलह करना, अश्लील शब्द बोलना पाप है।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में झूठ बोलना पाप माना जाता है जिससे तीर्थ का फल नहीं मिलता है।
- भगवान को निवेदित किए बिना किसी भी वस्तु को नहीं खाना-पीना चाहिए यानी भोग लगाए ही भोजन करना या उपयोग में लाने से बचे हुए भोजन को भगवान के लिए निवेदन करना पाप है और ऋतु फल खाने से पहले भगवान को जरुर चढ़ाएं।
- अपने या अपने परिवार के सदस्यों के ही रुपयों से तीर्थ करना चाहिए।
- पैरों में खड़ाऊ पहनकर या सवारी चढ़कर तीर्थ के मुख्य क्षेत्र या मंदिर में नहीं जाना चाहिए।
- अशौच अवस्था में तीर्थ या मंदिर में नहीं जाते हैं। तीर्थ के मंदिर में बगैर शुद्धकरण के दाखिल होना पाप है।
- किसी को कोसना, किसी की निंदा या स्तुति करना, रोना या जोर जोर से हंसना, किसी को दंड देना, आत्म-प्रशंसा करना, देवताओं को कोसना आदि भी पाप है।
- पलंग लगाकर सोना, कंबल ओढ़कर बैठना, अधोवायु का त्याग करना, आरती के समय उठकर चले जाना, एक हाथ से प्रणाम करना, शक्ति रहते हुए गौण उपचारों से पूजा करना, मुख्य उपचारों का प्रबन्ध न करना, मंदिर के सामने से निकलते हुए प्रणाम न करना। भजन-कीर्तन आदि के दौरान किसी भी भगवान का वेश बनाकर खुद की पूजा करवाना, मूर्ति के ठीक सामने खड़े होना, मंदिर से बाहर निकलते वक्त भगवान को पीठ दिखाकर बाहर निकलना, मंदिर में रुपये या पैसे फेंकना आदि सभी पाप है।

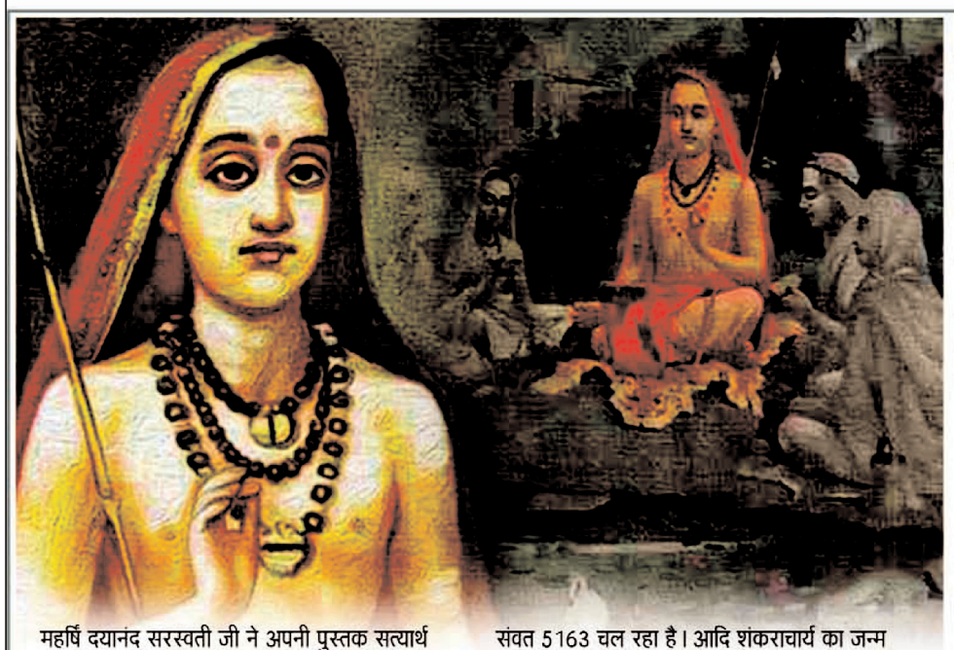

भारतीय संस्कृति को जोड़े रखने में आद्य शंकराचार्य का योगदान

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपनी पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में लिखा है कि आदि शंकराचार्यजी का काल लगभग 2200 वर्ष पूर्व का है। दयानंद सरस्वती जी 138 साल पहले हुए थे। इस वक्त अंग्रेजी वर्ष 2023 चल रहा है और विक्रम संवत 2080 चल रहा है। विक्रम संवत इससे 57 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। इस वक्त कलि संवत 5124 चल रहा है। युधिष्ठिर संवत कलि संवत से 39 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। मतलब इस वक्त युधिष्ठिर संवत 5163 चल रहा है। आदि शंकराचार्य का जन्म केरल के मालाबार क्षेत्र के कालड़ी नामक स्थान पर नम्बूद्री ब्राह्मण शिवगुरु एवं आर्याम्बा के यहां हुआ था और वे 32 वर्ष तक ही जीए थे। 788 ईस्वी में जिन शंकराचार्य का जन्म हुआ था वे अभिनव शंकराचार्य थे।

चार धामों में चार मठ की स्थापना

आदि शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की थी। उत्तर दिशा में उन्होंने बद्रिकाश्रम में ज्योर्तिमठ की स्थापना की थी। यह स्थापना उन्होंने 2641 से 2645 युधिष्ठिर संवत के बीच की थी। इसके बाद पश्चिम दिशा में द्वारिका में शारदामठ की स्थापना की थी। इसकी स्थापना 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने दक्षिण में श्रंगेरी मठ की स्थापना भी 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने पूर्व दिशा में जगन्नाथ पुरी में 2655 युधिष्ठिर संवत में गोवर्धन मठ की स्थापना की थी। आप इन मठों में जाएंगे तो वहां इनकी स्थापना के बारे में लिखा जान लेंगे। आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे।

दशनामी संप्रदाय

शंकराचार्य ने ही हर क्षेत्र के हिन्दुओं को संगठित करने और जातिवाद को समाप्त करने के लिए दसनामी सम्प्रदाय की स्थापना की थी। यह दस संप्रदाय निम्न हैं :- 1.गिरि, 2.पर्वत और 3.सागर। इनके ऋषि हैं भ्रगु। 4.पुरी, 5.भारती और 6.सरस्वती। इनके ऋषि हैं शांडिल्य। 7.वन और 8.अरण्य के ऋषि हैं काश्यप। 9. तीर्थ और 10.आश्रम के ऋषि अवगत हैं। इन्हीं संप्रदाय को आजकल संत संप्रदाय माना जाता है जिनके 13 अखाड़े कुंभ में स्नान करते हैं। शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को व्यवस्थित करने का भरपूर प्रयास किया।

शंकराचार्य के चार शिष्य

1.पद्मपाद (सनन्दन), 2.हस्तामलक 3.मंडन मिश्र 4.तोटक (तोटकाचार्य)। माना जाता है कि उनके ये शिष्य चारों वर्णों से थे।

नागा परंपरा

दशनामियों के दो कार्यक्षेत्र निश्चित किए- पहला शस्त्र और दूसरा शास्त्र। यह भी कहा जाता है कि शंकराचार्य के सुधारवाद का तत्कालीन समाज में खूब विरोध भी हुआ था और साधु समाज को उग्र और हिंसक साम्प्रदायिक विरोध से जूझना पड़ता था। काफी सोच-विचार के बाद शंकराचार्य ने वनवासी समाज को दशनामी परम्परा से जोड़ा, ताकि उग्र विरोध का सामना किया जा सके। वनवासी समाज के लोग अपनी रक्षा करने में समर्थ थे, और शस्त्र प्रवीण भी। इन्हीं शस्त्रधारी वनवासियों की जमात नागा साधुओं के रूप में सामने आई। ये नागा जैन और बौद्ध धर्म भी सनातन हिन्दू परम्परा से ही निकले थे। वन, अरण्य, नामधारी संन्यासी उड़ीसा के जगन्नाथपुरी स्थित गोवर्धन पीठ से संयुक्त हुए।

अखाड़ों की परंपरा

इन मठाम्नायों के साथ अखाड़ों की परम्परा भी लगभग इनकी स्थापना के समय से ही जुड़ गई थी। चारों पीठों की देशभर में उपपीठ स्थापित हुई। कई शाखाएं-प्रशाखाएं बनीं, जहां धूनि, मढ़ी अथवा अखाड़े जैसी व्यवस्थाएं बनीं। जिनके जरिए, स्वयं संन्यासी पोथी, चोला का मोह छोड़ कर, थोड़े समय के लिए शस्त्रविद्या सीखते थे, साथ ही आमजन को भी इन अखाड़ों के जरिए आत्मरक्षा के लिए सामरिक कलाएं सिखाते थे। हिन्दुओं की आश्रम परम्परा के साथ अखाड़ों की परंपरा भी प्राचीनकाल से ही रही है। अखाड़ों का आज जो स्वरूप है उस रूप में पहला अखाड़ा 'अखंड आह्वान अखाड़ा' 547 ई.में सामने आया। इसका मुख्य कार्यालय काशी में है और शाखाएं सभी कुम्भ तीर्थों पर हैं।

मध्यकाल मे चारों पीठों से जुड़ी दर्जनों पीठिकाएं सामने आईं, जिन्हें मठिका कहा गया। इसका देशज रूप मढ़ी प्रसिद्ध हुआ। देशभर में दशनामियों की ऐसी कुल 52 मढ़ियां हैं, जो चारों पीठों द्वारा नियंत्रित हैं। इनमें सर्वाधिक 27 मठिकाएं गिरि दशनामियों की हैं, 16 मठिकाओं में पुरी नामधारी संन्यासी के अधीन हैं, 4 मढ़ियों में भारती नामधारी दशनामियों का वर्चस्व है और एक मढ़ी लामाओं की है। साधुओं में दंडी और गोसाईं दो प्रमुख भेद भी हैं। तीर्थ, आश्रम, भारती और सरस्वती दशनामी, दंडधर साधुओं की श्रेणी में आते हैं जबकि बाकी गोसाईं कहलाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी करने वाले 2 और लोग गिरफ्तार, कई राजनेताओं तक थी पहुंच

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी करने के आरोप दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों की कई राजनेताओं तक पहुंच बताई जा रही है। इससे कुछ दिन पहले ही लंदन में 2 लोगों और जर्मनी में 3 व्यक्तियों को चीन को खुफिया जानकारी भेजने के संदेह में गिरफ्तार किया जा चुका है। खुफिया विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का जासूसी नेटवर्क बढ़ता जा रहा है जो पश्चिम और यूरोपीय देशों के लिए खथरा साबित हो सकता है । निक्की एशिया की रिपोर्ट केक मुताबिक लंदन में आरोप का सामना करने वाला एक व्यक्ति संसदीय शोधकर्ता था और उसका कई राजनेताओं से संपर्क था। वह व्यक्ति चीन के विरुद्ध ब्रिटेन की नीति को प्रभावित कर सकता था। जर्मनी में गिरफ्तार ऐसा ही दूसरा व्यक्ति धुर दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टी से संबंधित यूरोपीय संसद के सदस्य का सहायक था। हाल के वर्षों में चीनी जासूसी के दावों ने यूरोप में ब्रिटेन से लेकर जर्मनी, नीदरलैंड और यूरोपीय संघ के केंद्र बेल्जियम तक को परेशान कर दिया है। इनमें से कुछ संचालक ऊंचे पदों पर पहुंच गए हैं।बता दें कि हाल के वर्षों में चीनी जासूसी के दावों ने यूरोप में ब्रिटेन से लेकर जर्मनी नीदरलैंड और यूरोपीय संघ के केंद्र बेल्जियम तक को परेशान कर दिया है।

मालदीव में भी मसालों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर के बाद मालदीव ने भी अपने यहां एवरेस्ट और एमडीएच मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। मालदीव की फूड एंड ड्रग अथॉरिटी ने कहा कि भारत में बनने वाले मसालों के दो ब्रांड्स में एथिलीन ऑक्साइड पाया गया है। मालदीव सरकार अभी तक इन मसालों से होने वाले जोखिम का मूल्यांकन कर रही थी। फूड एंड ड्रग अथॉरिटी ने कहा कि इन ब्रांड्स के मसाले मालदीव में बड़ी मात्रा में इंपोर्ट और यूज किए जाते हैं। इस महीने की शुरुआत में हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की सरकारों ने एमडीएच और एवरेस्ट मसालों में कीटनाशक बनाने वाले केमिकल होने का आरोप लगाकर मद्रास करी पाउडर, एवरेस्ट फिश करी मसाला, एमडीएच सांभर मसाला मिक्स और रूष्ठ॥ करी पाउडर मिक्स मसालों की बिक्री पर बैन लगा दिया था।

इजरायल की युद्ध कैबिनेट दो फाड़; मंत्री बोले खतरे में नेतन्याहू सरकार

राफा, एजेंसी। दक्षिण गाजा पट्टी के राफा शहर के तीन आवासीय इमारतों पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में करीब 20 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा ने सोमवार को बताया कि गाजा पट्टी के राफा शहर के आवासीय क्षेत्र में इजरायल ने हवाई हमले किए, जिसमें करीब 20 लोगों की जान चली गई। पीड़ितों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं ओर कई अन्य लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। नागरिक सुरक्षा दल उन्हें बचाने के लिए काम कर रहे हैं। ये हमले काहिरा में हमास नेताओं और मिस्र के मध्यस्थों के बीच नए दौर की संघर्ष विराम वार्ता से ठीक पहले हुए हैं। इसके बावजूद मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा है कि वह गाजा में युद्ध विराम के नए प्रस्तावों को लेकर आशान्वित हैं। सूत्रों के अनुसाार गाजा में युद्धविराम के संबंध में आंदोलन की प्रतिक्रिया देने और इजरायल के साथ बंधक और कैदियों की अदला-बदली समझौते पर बातचीत करने के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल आज काहिरा जाने वाला है। इधर, बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजरायल की युद्ध कैबिनेट ने भी गाजा में युद्ध विराम के प्रस्तावों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट के मंत्री इस मुद्दे पर आपस में ही उलझते और दो फाड़ दिखे। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा है कि अगर इजरायली सरकार बंधकों की रिहाई के समझौते को रोकती है तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। दूसरी तरफ वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच ने कहा कि सरकार समझौते के लिए तैयार होती है तो यह शर्मनाक सरेंडर होगा। कट्टरपंथी इजरायली मंत्री प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर हमास के साथ बंदियों के बदले युद्ध विराम पर सहमति बनी तो उनकी सरकार गिर जाएगी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा है कि नई वार्ता के अनुसार इसमें 40 दिनों का युद्ध विराम शामिल होगा।

कनाडा में मुसलमानों को हलाल लोन देंगे ट्रूडो, शरिया कानून के हिसाब से करेगा काम

टोरंटो, एजेंसी। खालिस्तान समर्थक कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडोअब हलाल लोन को लेकर चर्चा में हैं। कनाडाई सरकार ने मुसलमानों को शरिया कानून के तहत हलाल के तहत होम लोन देने की घोषणा की। कनाडा एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है और हलाल लोन की घोषणा से कनाडा के लोग में गुस्सा है। हालांकि ट्रूडो सरकार का कहना है कि मुसलमानों को होम लोन देने में सुविधा देने के लिए हलाल मोर्गेज (लोन) लाया जा रहा है। इसमें मुसलमानों को फायदा भी होगा और वह शरिया कानून के तहत लोन ले सकेंगे। पिछले सप्ताह कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संघीट बजट पेश करते हुए देश के मुसलमानों को हलाल लोन के रूप में नया तोहफा दिया। उन्होंने घोषणा की कि मुसलमानों को होम लोन की सुविधा के लिए हलाल मोर्गेज दिया जाएगा। यह लोन पूरी तरह से शरिया कानून के तहत कार्य करेगा। उधर, ट्रूडो सरकार की घोषणा के बाद लोगों में गुस्सा है। आरोप है कि किसी धर्म विशेष के प्रति झुकाव नहीं रखने वाले कनाडा देश में तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है।

क्या है हलाल लोन और कैसे दिया जाएगा

जस्टिन ट्रूडो और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने 16 अप्रैल को 2024-25 का बजट जारी किया था, जिसमें अपने सपनों का घर खरीदने की इच्छा रखने वाले मुसलमानों के लिए हलाल लोन की घोषणा की गई। इसके तहत किसी भी मुस्लिम को घर के लिए लोन दिया जा सकेगा। इस प्रक्रिया में शरिया कानून के तहत कार्यवाही की जाएगी। क्योंकि शरिया कानून के तहत ब्याज लेना हराम है। इसलिए लोन लेने वाला कर्ज चुकाने के दौरान उस घर पर बतौर किराएदार रह सकता है और कर्ज की रकम किराए के तौर पर बैंक को अदा करेगा। जैसे-जैसे उसका कर्ज कम होता जाएगा, उस घर पर उसका स्वामित्व होता जाएगा।

ट्रूडो सरकार का मामले में कहना है कि लोगों को कर्ज लेने के लिए सुविधा को देखते हुए ऐसा कदम उठाया गया है। मुसलमानों के लिए ब्याज की रकम हराम है, इसलिए लोन को शरिया कानून के तहत दिया जाएगा। इसलिए इस प्रक्रिया को हलाल मोर्गेज नाम दिया गया है। ट्रूडो का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब कनाडाई सरकार ने विदेशियों के घर खरीदने पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है। ट्रूडो की लिबरल सरकार ने संघीय बजट 2024 में घोषणा तो कर दी है लेकिन, उसने वित्तीय संस्थानों और विभिन्न समुदायों के साथ मामले में परामर्श भी शुरू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य यह समझना है कि सरकार की नीतियां घर खरीदने के इच्छुक कनाडाई लोगों की विविध आवश्यकताओं को कैसे बेहतर ढंग से पूरा कर सकती हैं।

लॉटरी जीतने का पता चला तो निकल पड़े आंसू

कई दिनों तक नहीं दिया था लॉटरी के टिकट पर ध्यान

लंदन, एजेंसी। इंग्लैड के विल्टशायर के निवासी 51 वर्षीय व्यक्ति ट्रोब्रिज ने 18 मई 2023 को टिकट खरीदा था। शख्स ने कई दिनों तक टिकट की जांच नहीं की। उन्होंने कहा कि वह पलस्तर का एक दिन पूरा करने के बाद अपनी वैन में बैठकर कॉफी पी रहा था और तभी उसकी नजर छज्जे के पीछे टिकट पर पड़ी। वह एक दुकान के करीब था इसलिए उसने सोचा कि वह अंदर जाएगा और टिकट की जांच करवाएगा, इस उम्मीद में कि शायद कुछ हो जाए!जब स्टोर सहायक ने इसे जांचने के लिए मशीन में डाला, तो मशीन ने वास्तव में अजीब आवाज निकाली, कुछ ऐसा जो उसने पहले कभी नहीं सुना था। तब सहायक ने उससे कहा कि उसे टिकट पर दिए गए नंबर पर कॉल करना होगा क्योंकि यह एक विजेता टिकट था लेकिन वह उसे भुगतान नहीं कर सकती। जॉन ने सोचा कि शायद उसने केवल दस हजार रुपये ही जीते हैं, और जब उसे पता चला कि उसने इससे कहीं अधिक राशि जीती है तो उसकी आंखों में आसू आ गए। अपनी वैन में वापस गया उसी क्षण रेडियो पर एक राष्ट्रीय लॉटरी का विज्ञापन आया, जिसमें एक विजेता का टेलीफोन कॉल बज रहा था। और सचमुच ही उसके कॉल का जवाब था। फोन के अंत में महिला ने जॉन से कहा, 'क्या आप बैठे हैं' फिर उसने पुष्टि की कि उसने शीर्ष पुरस्कार जीता है।जॉन लंबे समय तक काम करने, धूल में सने रहने और बिलों की चिंता से तंग आ चुका था। लाटरी विजेता शख्स एक झील के किनारे घर बनाने और मछली पकड़ने की उम्मीद करता है।

स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ का इस्तीफा

पार्टी में हलचल; उत्तराधिकारी की तलाश तेज

स्कॉटलैंड, एजेंसी। मार्च 2023 में स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पाकिस्तानी मूल के हमजा यूसुफ ने स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नेतृत्व वाली सरकार से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि पार्टी के अंदरखाने कई दिनों से उथल-पुथल चल रही थी। 39 वर्षीय यूसुफ ने बढ़ते नीतिगत मतभेदों के बीच पिछले सप्ताह स्कॉटिश ग्रीन पार्टी (एसजीपी) के साथ गठबंधन भी समाप्त कर दिया था। इस तरह से अल्पमत वाली एसएनपी सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

मैं किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता-हमजा यूसुफ : इससे पहले एसएनपी की सहयोगी एसजीपी ने विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर दो अविश्वास प्रस्तावों का समर्थन किया था। पहला अविश्वास प्रस्ताव यूसुफ के नेतृत्व को लेकर था जबकि दूसरा प्रस्ताव स्कॉटिश सरकार के संबंध में था। इसे लेकर हमजा यूसुफ का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर उनके पास भी विकल्प मौजूद था लेकिन उन्होंने वह रास्ता नहीं चुना। हमजा ने कहा कि मैं केवल सत्ता में रहने के लिए अपने मूल्यों और सिद्धांतों का व्यापार कर किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा काफी सोचने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि देश के लिए सबसे अच्छा क्या है।

मुझे जो अवसर मिला, उसके लिए आभारी हूं- हमजा यूसुफ : एडिनबर्ग के ब्यूट हाउस में दिए गए अपने भाषण में यूसुफ ने कहा कि मुझे दुख है कि मंत्री के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन नेतृत्व का जो अवसर मुझे मिला उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने अपने भाषण में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, लंदन के मेयर सादिक खान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था, तो मेरे जैसे दिखने वाले लोग राजनीति में प्रभावशाली पदों पर नहीं थे। अब हम ऐसे ब्रिटेन में रहते हैं जहां एक ब्रिटिश हिंदू प्रधानमंत्री और एक मुस्लिम मेयर भी हैं। यूसुफ ने कहा अब हम एक उत्तराधिकारी को कमान सौंपने की तैयारी करेंगे और मुझे पूरा यकीन है कि वह बेहतरीन काम करेंगे।

भारत महाशक्ति बन रहा है और हम भीख मांग रहे हैं: मौलाना फजलुर रहमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। गरीबी,भुखमरी और आतंकवाद के लिए खुद की पहचान बना चुके पाकिस्तान का दर्द एक बार फिर छलका है। दरअसल पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के एक सांसद ने भारत की तारीफ करते हुए अपने ही देश की बुरी गत का जिक्र कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बयान दिया कि एक तरफ भारत है जो लगातार महाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है, दूसरी तरफ हम हैं जो दिवालिया होने से बचने के लिए दूसरे देशों से भीख मांग रहे हैं। रहमान ने शहबाज शरीफ पर निशाना भी साधा। आरोप लगाया कि पाकिस्तान में सरकारें महलों में बनती हैं। पर्दे के पीछे के कुछ लोग फैसले ले रहे हैं और हम सिर्फ कठपुतली बने हुए हैं। सांसद अब खुलेआम पीएम शहबाज शरीफ को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। नेशनल असेंबली पर अपने भाषण में मौलाना फजलुर रहमान का शहबाज पर जमकर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है और हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है रिपोर्ट के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने देश की दुर्दशा के लिए पर्दे

पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने देश की निर्वाचित सरकार को महज उनकी कठपुतली बताया। साथ ही दावा किया कि हमारी दीवारों के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे ही सारे निर्णय ले रहे हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं।रहमान ने संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए संविधान के सिद्धांतों को त्यागने और लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे कब तक हम विधायक चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे।

दरअसल, 2024 के संसदीय चुनाव के बाद पाकिस्तान में नई सरकार का गठन तो हो गया लेकिन, हालात अभी भी नहीं सुधरे हैं। जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ एक बार फिर पीएम की कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं। तमाम वादों के बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक दुर्दशा में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया। शहबाज शरीफ लगातार दूसरे देशों में जाकर आर्थिक मदद ला रहे हैं, जिसके दम पर सरकार चल रही है। हालत ये हो गई है कि अब सांसदों ने भी शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रहमान ने 2018 और 2024 दोनों समय लोकसभा चुनावों में हुई धांधली की निंदा की और कथित तौर पर नकली प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की निंदा की। रहमान ने दावा किया कि देशवासी असुरक्षा से ग्रस्त हैं और इसके प्रति हमारी सरकार को होश में आने की जरूरत है।

कई सालों से आग में झुलस रहा अमेरिका का सेंट्रलिया शहर

जमीन के अंदर लगातार जल रही है खदानें

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का यह खौफनाक शहर सेंट्रलिया दशकों से जमीन के नीचे की आग की चपेट में है। आज इसकी आबादी केवल 5 लोगों की रह गई है। 1962 में सेंट्रलिया की खदान में आग लग गई थी जिसने आज तक थमने का नाम नहीं लिया है और अब पूरा का पूरा बसाया बसाया शहर जमीन के अंदर लगी आग के धुएं से तबाह हो चुका है। 1920 के दशक में सेंट्रलिया दुकानों से भरा एक हलचल भरा शहर हुआ करता था, जिसके निवासी बढ़ते खनन उद्योग से लाभान्वित होते थे। जैसे-जैसे इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती गई, इसके 1,200 निवासी स्थानीय खदानों से प्राप्त कोयले पर खुशी से जीवन व्यतीत करने लगे।पर आज यह शहर पूरी तरह से वीरान है, इसकी अधिकांश इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। यह सब एक खदान में लगी आग से शुरू हुआ जो 1962 में शुरू हुई और 50 साल से अधिक समय बाद भी जल रही है, जिसके धुएं से शहर पूरी तरह से तबाह हो गया। पिछली अमेरिकी जनगणना के अनुसार शहर की आबादी अब घटकर केवल 5 लोगों

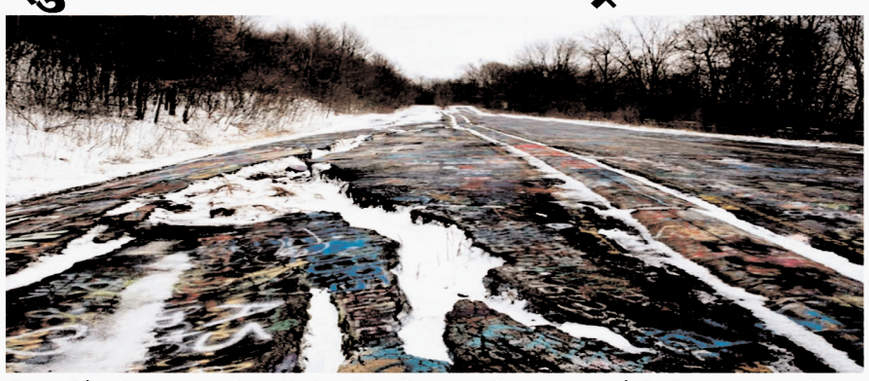

की रह गई है, जो अब धुएं वाले इलाके के करीब रहते हैं। मई 1962 में, सेंट्रलिया की नगर परिषद ने कथित तौर पर प्रस्तावित किया कि स्थानीय लैंडफिल को बाद में गर्मियों में मेमोरियल डे उत्सव के लिए समय पर साफ किया जाना चाहिए।

फायर अंडरग्राउंड में डेविड डेटोक ने लिखा कि यह अप्रासंगिक, छोटे शहर के इतिहास जैसा लग सकता है।कूड़े के ढेर को साफ़ करने के लिए सेंट्रलिया काउंसिल का तरीका यह था कि उसमें आग लगा दी जाए। ऐसा माना जाता है कि विशाल डंप आग ने शहर के नीचे एक बड़ी खदान में आग लगा दी, जिसके कारण जल्द ही सेंट्रलिया की कोयला खदानों के पूरे नेटवर्क में आग फैल गई। आग बुझाने के कई प्रयास किए गए लेकिन ये असफल रहे। बड़ी संख्या में आबादी को वहां से हटा दिया गया। सैकड़ों छोड़ी गई खदान शाफ्टों में से किसमें आग लगी है, यह पता लगाने में वित्तीय कठिनाई के कारण शहर की आग आज भी धधक रही है।

लंदन में किशोर भारतीय पत्नी की हत्या, पति को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

लंदन , एजेंसी। एक 24 वर्षीय व्यक्ति, जिसने अपनी 19 वर्षीय भारतीय पत्नी महक शर्मा की हत्या का अपराध स्वीकार किया था, को पैरोल पर विचार करने से पहले न्यूनतम 15 वर्ष की अवधि के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साहिल शर्मा, जो एक भारतीय नागरिक भी है, को महक की हत्या के संदेह में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया था, जो पिछले साल अक्टूबर में दक्षिण लंदन में दंपति के आवासीय पते क्रॉयडन में ऐश ट्री वे में चाकू से घायल अवस्था में पाई गई थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि उसे शुक्रवार को किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई गई, उसने फरवरी में उसी अदालत में महक की हत्या के लिए दोषी ठहराया था। यह एक दुखद मामला है जिसने एक परिवार को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। मेट पुलिस के स्पेशलिस्ट क्राइम कमांड के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर (डीआई) लॉरा सेम्पल ने कहा, अपनी पत्नी की हत्या करके, शर्मा ने उसके परिवार से एक प्यारी बेटी छीन ली है, जिसका कारण केवल वही जानता है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे पता है कि कोई भी चीज महक शर्मा को उनके पास वापस नहीं ला सकती है, मुझे उम्मीद है कि सजा से उसके प्रियजनों को कुछ हद तक रास्ता मिलेगा। 29 अक्टूबर, 2023 को स्थानीय समयानुसार 1615 के तुरंत बाद, साहिल शर्मा ने आपातकालीन 999 नंबर डायल किया और पुलिस ऑपरेटर को बताया कि उसने ऐश ट्री वे पर अपने घर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी है।

हमास संचालित स्वास्थ्य प्राधिकरण का दावा, राफा में इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए

गाजा/तेल अवीव , एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर पर ताजा इजरायली हमलों में कम से कम 27 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। क्षेत्र के हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह दावा किया। अधिकारियों ने कहा कि रात के दौरान विभिन्न हमलों में सीमावर्ती शहर की आवासीय इमारतों में 20 लोग मारे गए।

सोमवार सुबह गोलाबारी में राफा में एक परिवार के सात सदस्यों की भी कथित तौर पर मौत हो गई। जानकारी को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि वह घटनाओं के सटीक निर्देशांक के बिना टिप्पणी नहीं कर सकते। इजरायल ने कहा है कि वह फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के शेष गढ़ों को खत्म करने के लिए राफा में आक्रामक अभियान शुरू करेगा। इजरायल के सहयोगियों ने बार-बार सावधानी बरतने का आग्रह किया है, क्योंकि सैकड़ों हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी नागरिक शहर में शरण ले रहे हैं। नियोजित सैन्य अभियान को अभी भी टाला जा सकता है, हमास का एक प्रतिनिधिमंडल फ़िलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली बंधकों की रिहाई पर बातचीत करने के लिए सोमवार को मिस्र पहुंच रहा है।

हमास ने रिहाई की अपील वाला बंधक का वीडियो जारी किया

तेल अवीव , एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच परोक्ष रूप से गाजा में संघर्षविराम की वार्ता के बीच सशस्त्र संगठन ने एक बंधक का वीडियो जारी किया है।इस वीडियो में अमेरिकी-इजरायली नागरिक कीथ सीएज इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से रिहाई के लिए हमास से वार्ता करने की अपील करते सुनाई-दिखाई दे रहे हैं।

वायरल हो रहा है वीडियो

उनकी आवाज और हाव-भाव से साफ लग रहा है कि कीथ यह बयान दबाव में दे रहे हैं लेकिन इसमें उनकी परेशानी भी झलक रही है।उन्हें सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल के किरबुज फार आजा शहर स्थित आवास से हमास लड़ाकों ने अगवा किया था।वह तभी से हमास के बंधक बने हुए हैं।

युद्धविराम पर वार्ता आगे बढ़ेगी

बंधकों की रिहाई और गाजा में युद्धविराम के मुद्दों पर वार्ता करके मिस्त्र के अधिकारियों का दल वापस काहिरा पहुंच गया है।सोमवार को वहां हमास के नेता पहुंचेंगे, इसके बाद युद्धविराम पर वार्ता आगे बढ़ेगी।

किडनैप जज की हुई रिहाई, हथियारबंद लोगों ने रास्ते से कर लिया था अगवा

पेशावर , एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ ने सोमवार सुबह बताया कि देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हथियारबंद लोगों द्वारा अपहरण किए गए एक जिला और सत्र न्यायाधीश को कैद से रिहा कर दिया गया है। जज को 27 अप्रैल को अफगानिस्तान की सीमा से लगे टैंक और डेरा इस्माइल (डीआई) खान जिले के पास किडनैप कर लिया गया था। जज के ड्राइवर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। मौके से गाड़ी भी बरामद कर ली गई है। उन्होंने बताया कि सेशन जज को बिना शर्त कैद से रिहा कर दिया गया है। केपीके पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने कहा कि वह सुरक्षित और स्वस्थ घर पहुंच गए हैं।

खबर-खास

सेवानिवृत्त हुये नरेन्द्र सिंह राठौर

जांजगीर । आज का दिन जांजगीर नैला नगर वासियों के लिए स्मरणीय और गौरव पूर्ण रहा आज हमारे बीच मे मातृभूमि सेवा करके जूनियर कमिश्नर ऑफ्सिर 65 से सेवानिवृत्त होकर नरेन्द्र सिंह राठौर अपने घर अपने शहर आगमन के अवसर में नागरवासियो एवम परिवार जनों द्वारा रेलवे स्टेशन नैला में भव्य एवम आत्मीय स्वागत किया गया इस अवसर पर श्री मति विद्या राठौर, श्री मति प्रेमलता कौशिक, रवि पांडे, श्रीमती संतोषी दुबे, श्रीमती पूनम जायसवाल, अनिल शर्मा, गज्जू ध्रुव, दिव्यांश चंदेल, पप्पू मिस्त्र, मोहन श्रीवास, दिक्षु साहू एव बड़ी संख्या में स्वागत कार्यक्रम में नगरवासी व परिवारजन उपस्थित रहे।

घर घर जाकर जनसंपर्क, कमल छाप में वोट देने किया गया निवेदन

जांजगीर (समय दर्शन)। वार्ड नंबर 2 बूथ क्रमांक 77 दर्रीपारा नैला में महिला मोर्चा ,युवा मोर्चा एवं भाजपा संयुक्त मोर्चा के द्वारा घर घर जाकर जनसंपर्क किया और भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कमलेश जांगड़े के लिए कमल छाप में वोट देने के लिए निवेदन किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भाई पलाश चंदेल ,दिव्यांश चंदेल महिला मोर्चा की नगर मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता कौशिक श्रीमती विद्या राठौड़ श्रीमती पूनम जयसवाल भाजपा नगर मंत्री भाई अनिल शर्मा जी ,जिला अनुसूचित जनजाति मोर्चा से गजानन ध्रुव , युवा मोर्चा से भाई महामंत्री छवि कश्यप, गोलु दुबे, जैकी शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, मनमोहन श्रीवास, पप्पू मिश्रा ,दिशु साहू ,अमीर रजा खान ,आयुष मांडवी ,आयुष चौहान रितेश चौहान ,आकाश सूर्यवंशी ,बजरंगी यादव एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

कलेक्टर मालिक ने किया बन रहे गौरव पथ का निरीक्षण

सरायपाली (समय दर्शन)। आज महासमुंद जिला कलेक्टर प्रभात मलिक ने किया सरायपाली में बन रहे गौरव पथ का गुणवत्ता का निरीक्षण कर समय सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रभात मलिक बुधवार को सरायपाली के दौरे पर थे उन्होंने यहां चल रहे गौरव पथ निर्माण की गुणवत्ता का निरीक्षण किया कलेक्टर प्रभात मलिक ने गौरव पथ की गुणवत्ता और समय सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि दिए गए तय सीमा में कार्य पूर्ण होना सुनिश्चित हो इस दौरान उन्होंने यहां अन्य विकास कार्यों की जानकारी ली,उन्होंने कहा की निर्माणधीन विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करें इस दौरान सरायपाली अनुविभागीय अधिकारी ओम्कारेश्वर सिंह एवं अन्य संबंधित अधिकारी वहा उपस्थित थे।

नंद घर आंदोलन से जुड़े मनोज बाजपेयी

रायपुर। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ियों में आमूल बदलाव लाने से उद्देश्य से नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ एक राष्ट्रीय आंदोलन ङ्क अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया- का अनावरण किया। नंद घर के इस आंदोलन का उद्देश्य है, समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों के लिए सर्वोत्तम प्री-स्कूल शिक्षा सुनिश्चित कर भारत की भावी पीढ़ी का पोषण करना। मनोज बाजपेयी का इस आंदोलन में शामिल होने के लिए स्वागत करते हुए, वेदांता के अध्यक्ष, श्री अनिल अग्रवाल ने कहा, 卐प्रोजेक्ट नंद घर एक राष्ट्रीय आंदोलन है, जो स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देने के साथ बच्चों और महिलाओं के समग्र कल्याण का समर्थन करता है। हमें खुशी है कि मनोज बाजपेयी जी ने इस विस्तृत होते आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। उनकी निजी जीवन की कहानी हमारी भावी पीढ़ियों के जीवन को पोषित करने और बदलने के नंद घर के उद्देश्य से गहराई से मेल खाती है।'' आज इस दिल छू लेने वाले अभियान के लॉन्च में, मनोज बाजपेयी को एक युवा थिएटर अभिनेता के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा के बारे में बताते हुए देखा गया और उन्होंने अभिनय के सपने को पूरा करने के दौरान अपने लिए नियमित पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने में दोस्तों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। बाजपेयी ने एक कलाकार के संघर्ष का मार्मिक वर्णन किया है।

गरियाबंद पुलिस ने पेश की अनूठा मिशाल,मृत लावारिस महिला का किया अंतिम संस्कार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के पुलिस विभाग द्वारा आम जन विवाद मिटाने दुर्घटना रोकने और शान्ति ब्यवस्था कायम रखने के नाम से जानते है।लेकिन गरियाबंद पुलिस उन सब कार्यो का मिशाल तो पेश कर ही रही है,वही सामाजिक धार्मिक जैसे कार्यो के साथ समाज सेवा कर लोगो के बीच अलग पहचान बना रही है।इसका उदाहरण कई बार देखने को मिला जब पुलिस विभाग के जवान तार में फ्से मवेशी को तार काटकर छुड़ाए तो कभी भटके बुजुर्ग को उसके निवास तक पहुचाए तो कभी दुर्घटना में घायल ब्यक्ति की बड़ी राशि को बाइज्जत वापस किये ये सब गरियाबंद पुलिस की पहचान बन गई है।वही आज सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा मानवता दिखाते हुए एक 60 से 65 वर्षीय अज्ञात महिला के शव जिसके परिजनों का दो दिन तलाश किये और परिजन न मिलने की स्थिति स्थानीय सिटी कोतवाली पुलिस ने उस अज्ञात शव का पूरे

हिन्दू रीतिरिवाज के साथ अंतिम संस्कार किये।ज्ञात हो कि दो दिनों पूर्व जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम बारुका के समीप अज्ञात वाहन के ठोकर से एक अधेड़ बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रधान आरक्षक अंगद राव,आरक्षक मुरारी यादव योगेश सिंग व रवि सोनवानी घटना स्थल पर पहुंचे और बुजुर्ग महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहा उक्त महिला की मौत हो चुकी थी,लेकिन महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई फ्रिभी कोतवाली टीम मृत महिला कोतवाली के परिजनों का दो दिनों तक तलाश किए लेकिन पता नही चलने की स्थिति में पुलिस टीम से प्रधान आरक्षक अंगद राव, आरक्षक मुरारी यादव योगेश सिंग व रवि सोनवानी के साथ ब्यवसाई भावेश सिंहा द्वारा मानवता का मिशाल पेश करते हुए अज्ञात शव का बुधवार के 2 बजे कफ़न ओढाते हुए अंतिम संस्कार किये।

नेतृत्व क्षमता विकास का प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा युवाओं के नेतृत्व क्षमता विकास एक दिवसीय प्रशिक्षण गरियाबंद में आयोजित किया गया।जिसमे जिले के भुंजिया जनजाति के युवा वर्ग व जाति समाज के प्रमुख शामिल रहे लोक आस्था सेवा संस्थान के अध्यक्ष हेम नारायण मानिकपुरी व संस्था सचिव लता नेताम द्वारा बताया गया कि समाज के विकास व उत्थान के लिए युवा वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण है इसके बाद बताया गया कि भुंजिया जनजाति छत्तीसगढ़ की शासन द्वारा संरक्षित जनजाति की श्रेणी में आती है।शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी के अभाव में उन तक पहुंच ही नही बन पाती।इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिनियम,राशन कार्ड, पेंशन के 6 प्रकार व,रोजगार गारंटी अधिनियम,जॉब कार्ड,कौशल विकास और विभिन्न प्रकार की सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।वही बताया गया की भुंजिया जनजाति शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अभी बहुत पीछे है जिसे हमे युवाओं के माध्यम से जागरूक करना है।सरकारी नौकरी में भुंजिया जनजाति के लिए सीधी भर्ती निकालती है जो अन्य वर्ग की अपेक्षा बहुत छूट प्रदान देती है जैसे की शिक्षक भर्ती में 12 वी पास होने पर भी भुंजिया जनजाति के लिए अन्य डिग्री की आवश्यकता नहीं होती और साथ ही स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान कार्ड और संस्थागत प्रसव से शिशु व मां को प्रसव के दौरान खतरा कम हो जाता है,व गर्भवती माताओं को आंगनबाड़ी में पौष्टिक आहार भी शासन द्वारा प्रदान किया जा रहा है।इन सब की जानकारी दिया गया व युवाओं की क्षमता विकास कर समझ बनाया गया,और कोबो कलेक्ट ऐप के माध्यम से सर्वे की जानकारी दी गई जिसमे जाति प्रमुख गणेश राम,जगदेव व युवा वर्ग में ईश्वर,रंज कुमार,शंकर लाल,शिवप्रसाद मुकेश,गुमान सिंह,संतोष कुमार भूखन सिंह शामिल रहे।

मेहर समाज ने भीं सौपा निर्वाचन आयोग के नाम ज्ञापन

मुख्यमंत्री द्वारा किए गए संबोधन को लेकर जताई आपत्ति

पाटन (समय दर्शन)। सतनामी समाज के बाद अब आज छत्तीसगढ़ मेहर समाज के पाटन ब्लॉक द्वारा निर्वाचन आयोग के नाम एसडीएम पाटन को ज्ञापन सौंपा है। एसडीएम की अनुपस्थिति ने उसके कार्यालय के बाबू को ज्ञापन सौपा। जिसमे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा विलोपित शब्द का प्रयोग अपने भाषण में किया गया है। जिससे की समाज में काफी नराजगी है। ज्ञापन में बताया गया है की जांजगीर चांपा जिला में आयोजित एक सभा में उनके द्वारा विलोपित शब्द का प्रयोग किया गया। जिससे समाज काफी आहत है। ज्ञापन में समाज के लोगो ने मांग किया है की मुख्य मंत्री के आगामी सभी सभाओं पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मेहर समाज के संरक्षक तरुण बिजौर , मेहर समाज का ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मढरिया, तरूण बिजौर पर्व अध्यक्ष चर्म शिल्पकार बोर्ड छग , दयानंद लहरी ब्लाक कोषाध्यक्ष मेहर समाज पाटन, अमर लहरी ब्लॉक उपाध्यक्षा मेहर समाज पाटन, दुत्ती में चन्द्र शिवारे सदस्य मेहर समाज पाटन, किशोर कुमार लहरी उपाध्यक्ष मेहर समाज पाटन, कुणाल मण्डार उपाध्यक्ष मेहर समाज पाटन, मुकेश शिवार, दिनेश डॉण्डे, पूज कुमार लहरी, मोहन लाल लहरी, ललित लहरी, तेज प्रकाशलहरी , सतीश कौशिक, ललित बाल शामिल है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए दो ग्रामीण भालू के हमले से घायल

गरियाबंद (समय दर्शन)। गुरुवार सुबह जिला मुख्यालय से लगे ग्राम घुटकूनवापारा और ग्राम बेहराबुढ़ा तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर जंगली भालू ने हमला कर दिया।भालू के हमले के दो लोग घायल हो गए है।जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक पहली घटना ग्राम घुटकूनवापारा की।सुबह करीब 6 बजे तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए सुदर्शन साहू पिता घासीराम साहू पर अचानक भालू ने पीछे से हमला का दिया।इस दौरान उनकी पत्नी भी साथ थी। चीख पुकार मची तो भालू वहां से भाग निकला। हमले में सुदर्शन के पीछे कमर में सुर चोट लगी है।दूसरी घटना वहां से महज तीन किमी दूर ग्राम बेहराबुढ़ा की है। यहां पहाड़ी क्षेत्र में तेंदूपत्ता तोड़ने गए विराज ध्रुव पिता श्याम लाल ध्रुव भालू के हमले में घायल हो गया। विराज के सिर में गंभीर चोट लगी है।उसके साथ गए ग्रामीणों ने भालू के हमले से विराज को बचाया। जिसके बाद सरपंच मनीष ध्रुव ने उसे अस्पताल पहुंचाया।घटना के बाद दोनों ग्रामीणों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। इस संबंध सरपंच मनीष ध्रुव ने कहा कि तेंदूपत्ता तोड़ने को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। लेकिन जंगली जानवर के हमले से खतरा भी है।उन्होंने आसपास अंचल के लोगो से अपील करते हुए कहा कि कभी भी अकेले जंगल में ना जाए।ग्रुप बनाकर जाए। बचाव हेतु लाठी भी साथ रखे। उल्लेखनीय है गर्मी के दिनों में जंगल के अंदर पानी का स्त्रोत सुख जाने के चलते जंगली जानवर आसपास के नदी नालों और बड़े तालाब की ओर रुख करते है। ग्रामीण ओर पहाड़ी क्षेत्र से पैरी नदी लगे होने के कारण अक्सर जंगली जानवर भालू और तेंदुआ गर्मी के दिनों के पैरी नदी के आसपास नजर आते है। अधिकांशत रात 11, 12 बजे या फ्रि सुबह 4 से 6 बजे के बीच ये पानी पीने निकलते है और अधिक सक्रिय रहते है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जिले में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं यूनिसेफके सहयोग से जिले में 1 मई से 10 मई तक तक बाल विवाह रोकथाम जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत जिले के सभी पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में बैनर पोस्टर लगाकर,नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन,सुपोषण चौपाल, रंगोली, पेंटिंग आदि के माध्यम से लोगों को बाल विवाह रोकथाम के बारे में जागरूक किया जा रहा है।बाल विवाह कानूनन अपराध है।विवाह के लिए लड़की की आयु 18 वर्ष एवं लड़के का आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है।जिले के सभी धार्मिक स्थल,पर्यटन स्थल,व्यापारी वर्ग,सार्वजनिक संस्थान आदि में पोस्टर बैनर लगाकर लोगो को बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।जिला प्रशासन की इस अभियान का उद्देश्य है कि समय रहते लोग अपराध करने से बच जाए एवं शादी की तैयारी में होने वाले खर्च से भी उनको बचाया जा सके।आमजन बाल विवाह से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त होते ही 1098 में काल कर जानकारी दे सकते हैं।

दुर्ग जिले में प्रवर्तन एजेंसी द्वारा 7 करोड़ 59 लाख 25 हजार रुपये की नकदी जब्त

सोना, चांदी, शराब और अन्य सामान भी जब्त

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव अंतर्गत दुर्ग जिले में चुनाव से संबंधित अवैध व्यय को रोकने के लिए पुलिस विभाग, आयकर विभाग, केंद्रीय/राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग, आबकारी विभाग, उत्पाद शुल्क विभाग, रेलवे पुलिस बल आदि प्रवर्तन एजेंसियां कार्यरत है। इसके अलावा विधानसभावार 66 उड़नदस्ते और 66 स्थैतिक निगरानी टीमें गठित की गई हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर बजरंग दुबे ने बताया कि लोकसभा चुनाव की घोषणा तिथि 16 मार्च 2024 से उड़नदस्ता दल (एफ्एसटी) प्रत्येक विधानसभा के लिए 3 शिफ्टों में 9 टीमों में काम कर रही है। प्रत्येक टीम में 1 मजिस्ट्रेट, 1 पुलिस अधिकारी, 1 सहायक और 1 वीडियोग्राफ्र हैं। विधानसभावार 66 स्थैतिक निगरानी टीमों के लिए 22 चेक पोस्ट चिन्हित किए गए हैं और 3 शिफ्टों में ड्यूटी ली जा रही है। इनकी ड्यूटी अधिसूचना दिनांक 12 अप्रैल 2024 से ली जा रही है। इसके पूर्व 02 अप्रैल 2024 से स्थैतिक निगरानी दल की 5 टीमों से जिला बालोद एवं जिला राजनांदगांव की सीमा पर आने-जाने वाले वाहनों की जांच का कार्य लिया जा रहा है। जिला में अब तक कुल 3,76,10,000/- (तीन करोड़ छिहत्तर लाख दस हजार रुपये) नकद और 3,83,15,000/- (तीन करोड़ तिरासी लाख पन्द्रह हजार रुपये) की शराब, नशीला पदार्थ, कीमती आभूषण आदि सामान जब्त किया गया है। ये सभी टीमें सामान्य पर्यवेक्षक एस.बी. शेट्टेनवार (आईएएस) और श्रीकेश लाठकर (आईएएस), पुलिस पर्यवेक्षक अनुपम शर्मा (आईपीएस), चुनाव व्यय पर्यवेक्षक प्रसन्ना वी. पट्टनशेट्टी (आईआरएस), कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋ चा प्रकाश चौधरी (आईएएस) एवं पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला (आईपीएस) के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में कार्य कर रहे हैं। साथ ही उनके द्वारा उपरोक्त सभी टीमों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

रैपिडो और रायपुर ज़िला चुनाव कार्यालय की पहल मतदाताओं को प्रदान करेगी परिवहन सेवाएं

आम चुनाव 2024 के दौरान रायपुर में मतदाताओं के लिए लाए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड्स और रैली का किया आयोजन

7 मई को रैपिडो की 'सवारी ज़िम्मेदारी की' रायपुर में उपलब्ध होगी

रायपुर (समय दर्शन)। देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के साथ भारत के प्रमुख कम्यूट ऐप रैपिडो ने राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए 'सवारी जिम्मेदारी की' पहल का लॉन्च किया है। रायपुर ज़िला चुनाव कार्यालय के सहयोग से रैपिडो 7 मई 2024 को रायपुर के मतदाताओं के लिए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा रैपिडो ने शहर के निवासियों को मतदान के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए शहर प्रशासन के साथ साझेदारी भी की है। 150 बाईक टैक्सी कैप्टन्स के साथ इस रैली को कलेक्टरेट परिसर, मल्टी पार्किंग, घड़ी चौक, रायपुर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर डॉ गौरव कुमार सिंह, आई.ए.एस.- कलेक्टर एवं डीएम, रायपुर; विश्वदीप, आईएएस, चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफ्सिर, ज़िला पंचायत, रायपुर; और श्री अबिनाश मिश्रा, आईएएस- कमिशनर नगर निगम, रायपुर मौजूद रहे, और नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया।

चुनाव के दिन मतदाता रैपिडो ऐप पर कोड 'ङ्कह्वञ्जश्वह्लह्व' का उपयोग कर मुफ्त राईड पा सकते हैं और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। नागरिकों के मतदान के अधिकार को बढ़ावा देना तथा चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। ये प्रयास रैपिडो के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप हैं, जिसके तहत 100 से अधिक शहरों में चुनाव के दिन मुफ्त राईड उपलब्ध कराने के लिए 10 लाख से अधिक कैप्टन्स को लगाया गया है।

रायपुर ज़िला चुनाव कार्यालय के साथ रैपिडो की साझेदारी ऐसा ब्राण्ड बनने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो बेहतर समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सके। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, ''हम इस पहल के द्वारा सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रायपुर में हर मतदाता भारतीय आम चुनाव 2024 के दौरान अपने मतदान के कर्तव्य को सफ्लतापूर्वक निभाएं। ये मुफ्त राईड्स उपलब्ध कराकर हम लोकतंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हमारे रैपिडो कैप्टन सिर्फ ड्राइवर से अधिक हैं; वे नागरिक भागीदारी के दूत हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी प्रणाली में में अधिक से अधिक मतदान के सक्षम बनाने में योगदान दे रहे हैं।'' डॉ गौरव कुमार सिंह, कलेक्टर एवं डीएम, रायपुर ने कहा, ''यह देखकर अच्छा लगता है कि लोकतंत्र की भावना का जश्न मनाने के लिए निजी कंपनियां सरकार के साथ मिलकर काम कर रही हैं। रैपिडो की पहल 'सवारी ज़िम्मेदारी की' लोकतंत्र में सामुहिक कार्य के महत्व की पुष्टि करती है। आम चुनाव 2024 के दौरान मुफ्त बाईक टैक्सी राईड उपलब्ध कराकर रैपिडो न सिर्फ परिवहन के साधन उपलब्ध कराएगी बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि हर नागरिक की आवाज़ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना योगदान दे।'

छत्तीसगढ़ राज्य चुनाव आयोग के साथ रैपिडो की साझेदारी ऐसा ब्राण्ड बनने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है जो बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रयासरत है। इस तरह की पहलों के माध्यम से रैपिडो देश भर के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत है।

// आम सूचना //

मैं श्रद्धा दिव्येश जगन पति श्री दिव्येश जगन, निवासी- एल.आई.जी. 952 सेक्टर- 05 तृतीय पानी टंकी के पास सी.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी शेज बहार रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) 492015 की रहने वाली हूं। मेरे हक व स्वामित्व में मकान मौजा- एल.आई.जी.- 952 दीनदयाल आवास योजना, सी.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी शेज बहार दतरेंगा योजना खसरा नं. 119/50, 162/5 रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) 492015 को क्रेता श्रीमती पिंकी देवी पति श्री राकेश शाह, निवासी- एल.आई.जी.- 717 , सी.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी गार्डन के सामने शेज बहार रायपुर तह.व जिला रायपुर (छ.ग.) 492015 के पास बिक्री किये जाने बाबत् एक इकरारनामा दिनांक 28.02.2024 को निष्पादित किया गया है जिसका बैनाम पंजीयन होना बाकी है।

अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था/शासकीय/अशासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था/बैंक या किसी अन्य को कोई आपत्ति हो तो मेरे पते पर दस्तावेज सहित इस सूचना प्रकाशन के 07 दिन के भीतर आपत्ति या दावा कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात किया गया कोई भी आपत्ति या दावा मुझ पर बंधनकारी नही होगा व प्रारंभी से ही शून्य होगा।

अत: सूचना जोन।

स्थान :- दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक :- 01.05.2024

हस्ताक्षर
श्रद्धा दिव्येश जगन

संक्षिप्त-खबर

सड़क दुर्घटना मे घायल पर बसना विधायक ने दिखाई दरियादिली, नीलांचल एंबुलेंस बनी संजीवनी

बसना (समय दर्शन)। विधायक अग्रवाल अपनी काफ्लिा रोककर दोपहिया और चार पहिया वाहन के टक्कर में बूरै तरह से घायल जगदीशपुर निवासीयो को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इस दौरान विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने अपनी दरियादिली दिखाई और सड़क हादसे में घायल हुए जगदीशपुर निवासी बापे को तत्काल नीलांचल सेवा समिति की एंबुलेंस सेवा से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजकर उनका अच्छा इलाज करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टरों को निर्देशित किये।दरअसल, जिस वक्त ये हादसा हुआ उस समय विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल उसी रास्ते से अपनी कार में जा रहे थे। सड़क पर पड़े घायल हालत में बापे को देख उन्होंने तुरंत उन्होंने अपनी गाड़ी रुकवाई। इसके बाद बापे को घायल हालत में उठाकर नीलांचल सेवा समिति के एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाये। ज्ञात हो कि विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ही नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक हैं। जिसके माध्यम से विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल वर्षों से जनहित के अनेकों कार्य करते आ रहे हैं। नीलांचल एंबुलेंस ने एक संजीवनी की तरह तत्काल सेवा देकर हजारों लोगों की जिंदगी में फिर से खुशहाली लाई है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बसना मे प्रेरणा समर कैंप

बसना (समय दर्शन)। प्रजा पिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साँई नगर बसना मे समय समय पर राष्ट्र, समाज व धर्म जागरण के विविध आयोजन होते रहते हैं । इन दिनों प्रेरणा समर कैंप का आयोजन दिनांक 2 मई 2014 से 10मई 2024 तक संचालित है।बच्चों के गर्मी की छुट्टियों को सफ्ल बनाने के लिए छोटे-छोटे बच्चों का प्रेरणा समर कैंप रखा गया है । मानव कल्याण भवन साईं विहार कॉलोनी पदमपुर रोड, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना के पीछे में यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो कि फ्री ऑफ़ कॉस्ट (पूर्णत: निशुल्क) संचालित है। इसमें पांचवी क्लास से आठवीं क्लास तक के बच्चे इस क्लास को ज्वाइन कर सकते हैं। दिनांक 2 मई 2024 से 10 मई 2024 रहेगा। समय सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक। जिसमें बच्चों को अनेक प्रकार की एक्टिविटी सिखाए जाएंगे ।क्रिएटिव गेम्स होंगे, मेडिटेशन करेंगे, बौद्धिक विकास के उत्तम तथ्य, जीवन मूल्य शिक्षण ,वैल्यूज गेम्स, विविध प्रतियोगिताएं ,आकर्षक उपहार ,सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा जाएगा। बच्चे व पालक संपर्क कर इस रचनात्मक कैंप मे भाग लेकर इस दुर्लभ कार्यक्रम का हिस्सा बनकर समय का सदुपयोग करते हुए समयानुसार उन्नत तकनीक के साथ ब्रह्माण्ड की शक्ति, जीवन से जुड़ी रहस्यों के बारे मे जाने। संपर्क करें 975 268 7737

श्रमिकों को मतदान के दिन दो-दो घंटे का अवकाश

दुर्ग (समय दर्शन)। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु नियत मतदान दिवस में कारखाना अधिनियम-1948 तथा छ.ग. दुकान एवं स्थापना अधिनियम-1958 के अंतर्गत् आने वाले कारखानों/संस्थाओं के स्थापनाओं में कार्यरत् उन श्रमिक/कर्मचारियों को मतदान के दिन अर्थात् 07 मई 2024 दिन मंगलवार को राज्य शासन द्वारा दुर्ग जिले से सबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सवैतनिक अवकाश घोषित किया गया हैं। प्रभारी सहायक श्रमायुक्त दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार ऐसे कारखाने जो सप्ताह के सात दिवस कार्य करते हैं, वहां प्रथम एवं द्वितीय पाली के श्रमिकों को मतदान के दिन 02-02 घंटे का अवकाश घोषित किये जाने तथा जो कारखाने निरंतर प्रक्रिया के अंतर्गत आते हैं, उनमें काम करने वाले श्रमिकों को बारी-बारी से मतदान करने की सुविधा दी जाएगी।

जीवन रेखा फाउंडेशन का ग्राम जिया में मेगा स्वास्थ्य शिविर संपन्न

- बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उठाया लाभ

बेमेतरा (समय दर्शन)। जीवन रेखा फाउंडेशन लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के द्वारा 30 अप्रैल को ग्राम जिया में शासकीय जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नाकोत्तर महाविद्यालय के द्वारा आयोजित समाज कार्य विभाग के तत्वाधान में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जहां पर जीवन रेखा फाउंडेशन के द्वारा एचआईवी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया एवं एचआईवी की जांच किया गया, साथी जहां पर जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रही जहां पर रक्तदान शिविर लगाया गया, एवं ग्राम कुसमी के नेत्र विशेषज्ञों की उपस्थिति में नेत्र जांच शिविर लगाया गया जहां पर ग्रामीण मजदूरों की जांच किया गया साथ ही एवं जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिसमें संस्था जीवन रेखा फाउंडेशन के के सभी सदस्य उपस्थित थे जहां पर एचआईवी एवं एड्स से बचने के लिए जानकारी प्रदान किया गया जहां पर एचआईवी के फैलने के चार कारण एवं बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया साथ ही सभी को सेक्सुअल ट्रांसमिटेड इनफेक्शन के बारे में जानकारी दिया गया जहां पर जिला चिकित्सालय की टीम में स्ट्रक्चर काउंसलर विनेश्वर जयसवाल , लैब टेक्नीशियन संजय तिवारी जी एवं अन्य स्टाफ की उपस्थित रही एवं जीवन रेखा फाउंडेशन सें परियोजना प्रबंधन विकास मेश्राम, डॉक्टर सुरेश वर्मा परियोजना सें मूल्यांकन अधिकारी भुनेश्वर गेंदले , एवं काउंसलर मंजूषा शर्मा, आउट रीच वर्कर - तौफीक अली, आशा चेलक, मनोज यादव महेश चतुर्वेदी, पियर शकुंतला मण्डले, नीरा बंजारे,जांम्बाई चेलक, शांता पात्रे, गुलशन सचदेव, निखिल भारतेंदु, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अपराधों में लिप्त पांच अपराधियों पर कलेक्टर ने की जिलाबदर की कार्यवाही

- सीमावर्ती जिले की सीमाओं से एक वर्ष की अवधि तक रहेंगे बाहर

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा आदतन पांच शातिर बदमाशों संजय सिंह राजपूत, मोहम्मद शकीफ़ विजय मेनन, तारकेश्वर एवं नियाज़ अहमद के अपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्यवाही की गई है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार संजय सिंह राजपूत आत्मज वीरबहादुर सिंह राजपूत उम्र 40 वर्ष (लगभग) निवासी दीपक नगर दुर्ग, मोहम्मद शकीफ आत्मज मोहम्मद गुफ्रान उम्र 33 वर्ष निवासी एसीसी चौक के पास जामुल दुर्ग, विजय मेनन आत्मज बालकृष्ण मेनन उम्र 39 निवासी ब्लॉक नंबर 1 क्वार्टर नंबर 16 हाउसिंग बोर्ड भिलाई दुर्ग, तारकेश्वर आत्मज हीरालाल हरिजन उम्र 42 निवासी इंदिरा नगर सुपेला दुर्ग एवं नियाज़ अहमद आत्मज जलील अहमद उम्र 34 वर्ष (लगभग) निवासी अहमद नगर कैंप 2 भिलाई, दुर्ग को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, बालोद एवं धमतरी जिलों की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के भीतर हटने अथवा बाहर चले जाने कहा गया है। साथ ही पांचों बदमाशों संजय, मोहम्मद शकीफ़ विजय, तारकेश्वर और नियाज़ को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी के बिना अनुमति के प्रवेश निषिद्ध होगा। ज्ञात हो कि बदमाश संजय, मोहम्मद शकीफ़ विजय, तारकेश्वर और नियाज़ के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में आरोपी के विरूद्ध थाना दुर्ग में मार-पीट, लोगों को गंदी-गंदी गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देना, मादक पदार्थों की अवैध बिक्री एवं सट्टा के संबंध में कई अपराध पंजीबद्ध है। उक्त पांचों आरोपियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है, फिर भी उसके अपराध में कोई कमी नहीं आई है। आरोपियों को न्यायालय द्वारा कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने पर भी उसके द्वारा कोई जवाब पेश नहीं किया गया है। पांचों आरोपियों के विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर उनका पक्ष समर्थन का अवसर समाप्त किया गया है। प्रतिवेदन की विवेचना पश्चात् जिला दण्डाधिकारी सुश्री चौधरी ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु एकपक्षीय कार्यवाही कर आरोपियों के विरूद्ध जिलाबदर की कार्यवाही की है।

पूर्व माध्यमिक शाला बंसूला के सेवानिवृत्त प्रधान पाठक एसजी पटेल को दी गई विदाई

बसना (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला के प्रधान पाठक एस जी पटेल के सेवा निवृत्त होने पर संकुल स्तरीय बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में बीआरसी ललित देवता,संकुल प्राचार्य बलदेव मिश्रा ,समन्यवक गोवर्धन डडसेना,प्रधान पाठक सुशील सिन्हा,पंचायत प्रतिनिधी जन्मजय साव उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । उसके पश्चात संकुल के सभी शिक्षक शिक्षिकाये ने पटेल जी को स्मृति चिन्ह के रुप में अंग वस्त्र घड़ी,साल, छाता, जूता, गीता, डायरी पेन, साउंड सिस्टम, ट्रॉली बैग दैनिक उपयोग की विभिन्न सामग्री भेट कर सम्मानित किया। सभी अतिथियों ने पटेल सर के कार्यकाल की प्रशंसा की। इस अवसर पर पटेल सर ने अपने द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में बताया। तत्पश्चात बाजे गाजे के साथ पटेल सर को उनके निवास स्थान तक पहुंचाया गया। जहां सभी ने प्रीति भोज का आनंद लिया। इस अवसर पर संकुल के सभी प्रधान पाठक एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में प्रधान पाठक दिनेश डडसेना, प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, अनिता साहू, सीता साहू, सुजाता प्रधान,पुश्पांजलि, राजेश साव का विषेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफ्ल संचालन राजेश भोई शिक्षक के द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में पालकगण एवम् समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

अमर हाइट्स कालोनी में शत प्रतिशत मतदान के लिए नगर निगम ने चलाया जागरूकता अभियान

- कालोनी रहवासियों ने कहा हम तो मतदान करेंगें, आप भी अवश्य मतदान करें

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश पर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा अमर हाइट्स कालोनी में मतदान जागरूकता संदेश और समुदाय में बैनर,फ्लैक्स के माध्यम से मतदान जागरूकता कार्यक्रम किया गया।अधिकारियो ने कहा कि वोट डालने का अधिकार हमें संविधान से मिला है।लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने,नैतिक मतदान तथा निर्वाचन संबंधी जागरूकता जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज गुरुवार को नगर निगम के द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए अमर हाइट्स कालोनी के मतदाताओं को लोकसभा चुनाव के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में निगम टीम द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए शहर के मतदाताओं को लोकसभा चुनाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम में बताया गया कि एक-एक वोट लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, आपका एक वोट अमूल्य है। इसलिए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।इस अवसर पर सभी को वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में 07 मई को मतदान होना है। आप सभी को इस महापर्व में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना है।मौके पर सभी को लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने अमर हाइट्स के रहवासियों को शपथ दिलाई गई कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अपने घरों व आसपास के लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने का हर संभव प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अवसर पर नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,थानसिंह यादव,नारायण यादव,मुक्तेश कान्हे,संतोष कसार,सत्यनारायण शर्मा,ब्रांड एम्बेसडर विश्वनाथ पाणिग्राही,कुणाल,रोशनी हिरवानी एनयूएलएम के पदाधिकारी,जिला समनव्यक युवोदय दुर्ग के दूत कार्यक्रम के शशांक शर्मा,विधि प्रसाद,पूनम साकार,प्रबधि गुप्ता, ज़िन्द सिंद्दीक्कि,अदिति सिंह,राखी प्रसाद,साहिल प्रसाद,सहित नगर निगम अमला और अमर हाइट्स के रहवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहें।कार्यक्रम के दौरान अमर हाइट्स के रहवासियों ने कहा हम तो मतदान करेंगें, आप भी अवश्य मतदान करें,साथ ही दुर्ग लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत 7 मई मतदान तिथि को अधिक से अधिक लोगो से अपने मतदान केंद्र में जाकर मतदान करने की अपील की है।स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर डॉ पाणिग्राही द्वारा विशेष रूप से तैयार हल्दी ,चावल युक्त मतदान करो नेवता पत्र का वितरण किया गया।डॉ पाणिग्राही अमर हाइट्स से अपनी एक्टिवा जो मतदाता स्लोगन से सुसज्जित है उसमे रोड शो के लिए निकले।स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली व राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने फ्लैग दिखाकर रवाना किया।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत का जनसंपर्क एवं नुक्कड़ सभा संपन्न

जांजगीर (समय दर्शन)। 29 अप्रैल को जांजगीर नैला नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 10 में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत जी का जनसंपर्क एवं नुक्कड़ सभा संपन्न जिसमें प्रमुख रूप से प्रदेश महिला कार्य समिति सदस्य श्रीमती नंदनी मीरा मिहिर पतकी जी राजवाड़े जिला महामंत्री महिला मोर्चा श्रीमती संतोषी दुबे महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता कौशिक पूनम तिवारी श्रीमती विद्या राठौड़ नगर मंत्री अनिल शर्मा अनुसूचित जनजाति मोर्चा से गजानंद ध्रुव पूर्व पार्षद रमेश सोनवानी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण अग्रवाल युवा मोर्चा के गोलू दुबे योगेश चौरसिया हरी सोनवानी गज्जू कर्ष प्रदीप राठौर एवं वार्ड की माताएं बहनें एवं वार्ड के प्रमुख वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

तन को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज, मन को स्वस्थ रखने के लिए मेडिटेशन-धारणी बहन

- एकाग्रता की शक्ति से मनचाही सफलता- ब्रह्माकुमारी रेणु

दुर्ग (समय दर्शन)। जीवन में हमारे विचारों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है जैसा विचार हम करते हैं उसके अनुरूप ही हमारा जीवन होता जाता है एक साधारण किसान का बेटा एक विचार से अमेरिका का राष्ट्रपति बन सकता है व एक साधारण बालक नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद बनाकर सारे विश्व में प्रख्यात हो सकता है तो आप बच्चे भी जीवन में मनचाही उपलब्धि को प्राप्त कर सकते हैं । इसके लिए आवश्यक है अपने विचारों को शक्तिशाली बनाएं यह विचार ब्रह्माकुमारी रेनू बहन ने राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में कक्षा 7 व 8 के लिए चल रहे सम कैंप में बच्चों के समक्ष रखे । अपने आगे बताया विचारों की गति जितनी कम होगी उतने ही संकल्प व विचार शक्तिशाली होंगे और संकल्पों की गति को कम करने में राजयोग मेडिटेशन अत्यंत ही प्रभावी उपाय है इसके द्वारा ही हम स्वयं के अवचेतन मन को जागृत कर चमत्कारिक परिणाम पढ़ाई में खेल में या अन्य किसी भी विधा में प्राप्त कर सकते हैं । आपने बताया जैसे एक वाक्य है मैं बुद्धिमान हूं सफ्लता का स्टार हूं इसे हम आध्यात्मिक भाषा में स्वमान कहते हैं इस स्वमान को प्रतिदिन सात बार

सुबह उठते ही और रात को सोने के पहले रिपीट करें तो आप पाएंगे इससे स्वयं के आंतरिक शक्ति में वृद्धि हो रही है , एकाग्रता बढ़ रही है ऐसे भिन्न-भिन्न अच्छे अच्छे अनुभव होने लगेंगे । विद्यार्थियों को आहार के विषय में जागृत करने आज के सत्र में डाइटिशियन पूनम रब्बानी ने बताया कि कहा जाता है जैसा अन्न वैसा मन अन्न हमारे विचारों को शांत खुश व शक्तिशाली बनाने में बहुत सहायक होता है वर्तमान समय फास्ट फूड , जंक फूड , कोल्ड ड्रिंक का चलन बहुत ज्यादा है जो हमारे स्वास्थ्य को धीरे-धीरे कमजोर करता जाता है अनेक लोगों में भ्रांतियां है नॉनवेज खाने से बहुत प्रोटीन मिलता है व स्वस्थ रहते हैं किंतु उससे अधिक प्रोटीन शाकाहारी भोजन से प्राप्त होता है यदि हम अपनी भूख मिटाने के लिए किसी को दर्द या तकलीफ देकर हम उसे अपना आहार बनाते हैं या उसे हम अपने आहार में शामिल करते हैं तो उस भोजन से हम कभी भी खुश व शांत नहीं रह सकते उसके दर्द के प्रकम्पन्न उस भोजन में पहुंचकर चिंता व भय उत्पन्न करेगा । प्रकृति ने हमें प्रचुर मात्रा में शाकाहारी चीज खाने को दिया है तो हम अपने स्वाद के लिए क्यों किसी ऐसी चीज को ग्रहण करें जो किसी को दर्द तकलीफ दे ।आपने सभी बच्चों को शाकाहारी बनने की प्रेरणा दी तथा रात्रि जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने के फायदे भी बताये कार्यक्रम में संगीतिक व्यायाम कराते हुए धारनी बहन ने बताया शारीरिक व्यायाम से तन स्वस्थ होता है तो राजयोग मेडिटेशन से मन स्वस्थ होता है इसके लिए दोनों को प्रतिदिन करना आवश्यक है इस कार्यक्रम में आज चित्रकला का आयोजन किया गया जिसमें 110 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसका परिणाम समर कैंप के तीसरे दिन घोषित किया जाएगा ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26